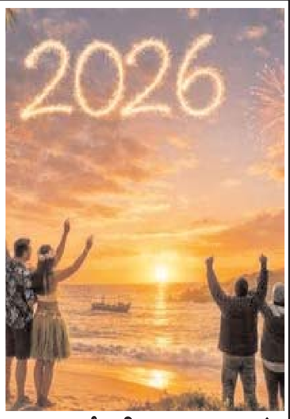

नववर्ष की शुभकामनाएं

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K स्वागतम्-2026 RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-295 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 01 जनवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

चमोली की सुरंग में दो लोको ट्रेनें टकराईं, 100 से ज्यादा घायल, 5 की हालत गंभीर

घायलों में ज्यादातर मजदूर बिहार, ओडिशा और झारखंड के रहने वाले

चमोली,(ए.)। चमोली जिले के पीपलकोटी स्थित जल विद्युत परियोजना क्षेत्र में बनी सुरंग में दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिसमें 100 से ज्यादा मजदूर घायल हुए हैं। जिनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के समय ट्राली में करीब 110 इंजीनियर, कर्मचारी और मजदूर सवार थे, जो अपनी शिफ्ट पूरी कर वापस लौट रहे थे। हादसे में घायल लोगों में से 70 को जिला अस्पताल और 17 को एक अन्य अस्पताल में भर्ती कराया है। 66 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घायलों में ज्यादातर मजदूर बिहार, ओडिशा और झारखंड के रहने वाले हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद अन्य कर्मचारियों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही सीएम पुष्कर धामी ने जिलाधिकारी चमोली से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली। सीएम ने निर्देश दिए कि सभी घायलों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और जरुरत पड़ने पर उन्हें उच्च चिकित्सालयों में रेफर किया जाए।

मौके पर पहुंचे डीएम ने बताया कि हादसा शिफ्ट चेंज के दौरान हुआ, गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है। इस घटना का भारतीय रेलवे से कोई सम्बन्ध नहीं है। बताया जा रहा है कि एक ट्राली सामान लेकर सुरंग के अंदर जा रही थी, तभी उसके ब्रेक फेल हो गए और वह दूसरी ट्राली से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों ट्रालियां पलट गईं।

मुरादाबाद में एक शिक्षण संस्थान के शिक्षकों ने नए साल की पूर्व संध्या पर लोगों को नए साल 2026 की शुभकामनाएं दीं।

महाकाल मंदिर में नए साल पर उमड़ा आस्था का सैलाब

31 दिसंबर-1 जनवरी को 12 लाख श्रद्धालु आने का अनुमान, वीआईपी प्रोटोकॉल बंद

उज्जैन (आरएनएस)। नए वर्ष को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जहां एक और पर्यटन स्थलों पर लोगों की अधिक संख्या दिखाई दे रही है, तो वही धार्मिक स्थलों पर भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। ऐसा ही नजर उज्जैन के विश्व

प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में देखने को मिल रहा है। यहां पिछले तीन दिनों से 2 लाख से अधिक श्रद्धालु प्रतिदिन बाबा महाकाल के दर्शन कर रहे हैं। वहीं महाकाल मंदिर समिति का अनुमान है कि 31 दिसंबर और 1 जनवरी को करीब 12 लाख श्रद्धालु बाबा महाकाल के दरबार में आएंगे। ऐसे में इतनी अधिक संख्या को देखते हुए मंदिर समिति ने नियमो में बदलाव किया हैं।महाकाल मंदिर में वीआईपी प्रोटोकॉल बंद कर दिया गया है। 1 जनवरी को भस्म आरती दर्शन के लिए चलित भस्म आरती की सुविधा रखी गई है, ताकि सभी श्रद्धालु भस्म आरती के दर्शन कर सके। श्रद्धालुओं को असुविधा न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए चार धाम मंदिर के पास पार्किंग बनाई गई है।

भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा, भारत की आध्यात्मिक शक्ति की प्राण प्रतिष्ठा : राजनाथ सिंह

-गगन में जब तक चंद्र और दिवाकर विद्यमान हैं, तब तक सनातन आस्था की ये धर्मध्वजा लहराती रहे

-ऑपरेशन सिंदूर में हमने भगवान राम की युद्ध में भी मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा का पालन किया

अयोध्या (आरएनएस)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के विराजमान होने के प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह के द्वितीय वार्षिकोत्सव में शामिल होने, आज देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अयोध्या धाम पहुंचे। इस पावन अवसर पर उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का दर्शन पूजन कर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन किये। इसके बाद उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने में मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। इस दौरान अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने अपने मनोभावों को व्यक्त करते हुए कहा कि "नाथ आजु मैं कहा न पावा"। ऐसा लग रहा है कि जीवन में मैं जो पाना चाहता था, वह सब कुछ मुझे मिल गया। राघवेंद्र सरकार ने इस दिन के लिए स्वयं मुझे चुना था, इसलिए आज यह अवसर मुझे मिल रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यशाली दिन बताते हुए कहा, "आज से दो वर्ष पूर्व जब प्रभु श्रीराम यहां पुनर्प्रतिष्ठित हुए, वो समस्त भारतवासियों के लिए गौरव का ऐतिहासिक क्षण था। प्रभु श्रीराम अपनी कीर्ति से आज केवल भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को विभूषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की हर गली-हर चौराहा राममय हो गया हो।

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी, पूर्वी हिस्से में ज्यादा असर, शहडोल में पारा 1.7 डिग्री तक गिरा

भोपाल, (ए.) । मध्य प्रदेश इस समय कड़ाके की ठंड की चपेट में है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। हालात ऐसे हैं कि शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग का कहना है कि आज बुधवार भी इसी तरह की ठंड बने रहने की संभावना है। इसी सर्द मौसम के बीच प्रदेश में न्यू ईयर का जश्न मनाया जाएगा।

मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में सर्दी और तेज हो गई है। सुबह के समय घना कोहरा छाया हुआ है, वहीं कई इलाकों में शीतलहर और कोल्ड डे जैसे हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार को जेट स्ट्रीम की रफ्तार 259 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई, जिसके कारण रात के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को भी जेट स्ट्रीम का असर बना रहेगा।घने कोहरे के कारण दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन की ओर आने वाली 10 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मालवा एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, सचखंड और कर्नाटक एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से पीछे हैं। छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, भोपाल, उज्जैन और इंदौर जैसे शहरों में सुबह के समय कोहरे का असर साफ नजर आया।

सरकार का बड़ा फैसला, हाई-डोज निमेसुलाइड दवाओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने दर्द और बुखार की दवाओं की उन सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है, जिनमें निमेसुलाइड 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा में होता है और जो तुरंत असर करने वाली (इमीडिएट-रिलीज) होती हैं। यह दवा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत प्रतिबंधित की गई है। यह फैसला ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) से सलाह लेने के बाद किया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि 100 मिलीग्राम से ज्यादा निमेसुलाइड वाली दवाओं का इस्तेमाल इंसानों के लिए खतरे भरा हो सकता है, और इसके ज्यादा सुरक्षित विकल्प पहले से मौजूद हैं।निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा (एनएसएआईडी) है और दुनिया भर में इसके लिवर को नुकसान पहुंचाने और अन्य दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताई जाती रही है। यह कदम दवाओं की सुरक्षा को और सख्त करने और जोखिम वाली दवाओं को धीरे-धीरे हटाने की दिशा में उठाया गया है।यह प्रतिबंध सिर्फ ज्यादा मात्रा वाली (हाई-डोज) दवाओं पर लागू होगा, जो इंसानों के लिए बनाई जाती हैं। कम मात्रा वाली दवाएं और अन्य इलाज के विकल्प जारी रहेंगे।अधिसूचना में कहा गया है कि जो दवा कंपनियां निमेसुलाइड वाली दवाएं बेचती हैं, उन्हें उत्पादन बंद करना होगा और बाजार में मौजूद प्रभावित बैच वापस मंगाने होंगे।वहीं, विश्लेषकों का मानना है कि बड़ी दवा कंपनियों पर इसका ज्यादा आर्थिक असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि कुल एनएसएआईडी बिक्री में निमेसुलाइड का हिस्सा कम है। हालांकि, जिन छोटी कंपनियों की कमाई इस दवा पर ज्यादा निर्भर है, उन्हें नुकसान हो सकता है।भारत पहले भी धारा 26ए का इस्तेमाल करके कई खतरनाक दवाओं और फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन पर रोक लगा चुका है, ताकि लोगों की सेहत सुरक्षित रखी जा सके।सरकार के अनुसार, सितंबर 2025 तक पिछले साढ़े तीन साल में बल्क ड्रग पार्क योजना के तहत 4,763.34 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, ताकि देश में दवाओं के कच्चे माल का उत्पादन बढ़ाया जा सके।

विधानसभा चुनाव के बाद आरजेडी-कांग्रेस में दरार

पटना, (ए.)। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद महागठबंधन की दो प्रमुख घटक दलों आरजेडी-कांग्रेस में दरार की खबर है। राजद और कांग्रेस के नेता खुलेआम एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। बिहार में हार का ठीकरा एक दूसरे पर फोड़ रहे हैं। आलम यह है कि गठबंधन के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। कांग्रेस नेता शकील अहमद ने कहा है कि बिहार में अब महागठबंधन जैसी कोई चीज नहीं बची है और कांग्रेस को राजद के साथ रहने के बजाय अकेले चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजद के साथ गठबंधन में रहकर कांग्रेस को किसी तरह का राजनीतिक लाभ नहीं मिल रहा है। शकील अहमद ने कहा कि ऐसे में साथ बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने यहां तक कहा कि जब राजद के साथ रहने से कांग्रेस को न तो संगठनात्मक मजबूती मिल रही है और न ही चुनावी फायदा, तो फिर यह गठबंधन बोझ बनकर रह गया है।

बंगाल में एसआईआर पर राज्य सरकार व चुनाव आयोग के बीच तनातनी चरम पर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शिकायतों को साजिश करार दिया

कोलकाता (आरएनएस)। बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हर रोज हंगामा हो रहा है। वहीं आरोप प्रत्यारोप का क्रम भी चल रहा है। एसआईआर को लेकर एक तरह से चुनाव आयोग व ममता सरकार आमने सामने है। पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तनाव चरम पर पहुंच गया है। इसी बीच राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने दो पुलिस शिकायतों पर कड़ा ऐतराज जताया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि विभिन्न प्रेस विज्ञप्तियों से इस कार्यालय को जानकारी मिली है कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल के खिलाफ पुलिस में दो शिकायतें दर्ज की गई हैं। इन शिकायतों में लगाए गए आरोपों को पहले से सोची-समझी साजिश, बिना किसी ठोस सबूत के और एसआईआर के कानूनी कर्तव्यों का पालन कर रहे अधिकारियों को डराने-धमकाने की घटिया कोशिश करार दिया गया है। आधिकारिक बयान में आगे लिखा है कि चुनाव मशीनरी को डराकर झुकाने और पूरी प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए बनाई गई ऐसी धमकी भरी चालें निश्चित रूप से नाकाम रहेंगी।

एमपी में 1 करोड़ 34 लाख की साइबर ठगी 28 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रहे रिटायर्ड प्रोफेसर, एनजीओ संचालक समेत 11 आरोपी गिरफ्तार

रतलाम (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की रतलाम पुलिस ने साइबर ठगी के नाम पर जालसाज करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बदमाशों ने रिटायर्ड प्रोफेसर को 28 दिनों तक बंधक बनाया। फिर उनसे 1 करोड़ 34 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने मामले का पर्दाफाश कर 11 आरोपियों को अलग-अलग जिलों से गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि इसके तार यूपी, बिहार से लेकर असम के तार जुड़ रहे हैं।

दरअसल, 15 नवंबर को फरियादी को अज्ञात नंबर से फोन आया था। कॉल करने वाले शख्स ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए फरियादी को गंभीर आरोपों में फंसाने का डर दिखाया। आरोपी ने उनसे कहा कि उनके नाम से जारी सिम का उपयोग एक बड़े फ्रॉड में हुआ है। मुंबई के केनरा बैंक में लगभग 247 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। जिसमें फरियादी का आधार कार्ड और दूसरे दस्तावेज लगे हुए हैं। फरियादी की ओर से किसी भी प्रकार की जानकारी से इनकार करने पर उसे गिरफ्तारी वारंट जारी होने और तत्काल गिरफ्तारी का दर दिखाया गया।इसके बाद व्हाट्सएप कॉल के जरिए मानसिक दबाव बनाकर आधार कार्ड और पर्सनल डॉक्यूमेंट लिए गए। बदमाशों ने उनके मोबाइल में Signal App इंस्टॉल करवाया।

नए साल के जश्न में पड़ेगा खलल! डिलीवरी वर्कर्स ने किया राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान, ये सेवाएं होंगी प्रभावित

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रमुख डिलीवरी और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े हजारों गिग वर्कर्स ने बुधवार को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इससे पूरे भारत में नए साल की पूर्व संध्या के जश्न में बड़ी रुकावटें आ सकती हैं। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (आईएफएटी) ने मिलकर बुलाई है, जिसे महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में काम करने वाले कई क्षेत्रीय संगठनों का समर्थन मिला है। बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, हैदराबाद और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों में ग्राहकों को पूरे दिन लंबे इंतजार का समय, ऑर्डर रद्द होने और सीमित डिलीवरी उपलब्धता का सामना करना पड़ सकता है। कई टियर-2 शहर भी प्रभावित हो सकते हैं क्योंकि क्षेत्रीय संगठन हड़ताल में शामिल हो रहे हैं।

यूनियनों ने कहा है कि यह विरोध प्रदर्शन ग्राहकों को असुविधा पहुंचाने के लिए नहीं है, बल्कि गिग वर्कर्स की समस्याओं पर तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए है। उन्होंने प्लेटफॉर्म कंपनियों से बातचीत करने और उचित वेतन संरचना, सामाजिक सुरक्षा लाभ और पारदर्शी नीतियां लागू करने का आह्वान किया है। यूनियन नेताओं का कहना है कि यह विरोध प्रदर्शन गिग वर्कर्स के बीच घटती कमाई, बढ़ते काम के बोझ और बुनियादी श्रम सुरक्षा की कमी को लेकर बढ़ते असंतोष को दिखाता है।

जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, जेप्टो, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों के साथ काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स ने अपने ऐप से लॉग ऑफ करने या काम काफी कम करने की योजना की घोषणा की। इससे साल के सबसे व्यस्त व्यावसायिक दिनों में से एक पर डिलीवरी में देरी, ऑर्डर रद्द होने और सेवाओं में रुकावट की चिंता बढ़ गई है।

31 दिसंबर पारंपरिक रूप से नए साल के जश्न और साल के आखिर की सेल के कारण फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स और ऑनलाइन शॉपिंग के लिए सबसे ज्यादा मांग वाले दिनों में से एक होता है। उद्योग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हड़ताल में बड़े पैमाने पर भागीदारी से लास्ट-माइल डिलीवरी ऑपरेशन पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे रेस्टोरेंट, किराना प्लेटफॉर्म और रिटेलर्स प्रभावित होंगे, जो रेवेन्यू टारगेट को पूरा करने के लिए ऐप-आधारित लॉजिस्टिक्स पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

8वें वेतन आयोग से लेकर क्रेडिट स्कोर तक, 1 जनवरी से बदल जाएंगे देश के 5 बड़े नियम

नई दिल्ली (आरएनएस)। 2026 शुरू होने में कुछ ही घंटों का समय बचा हुआ है। हर साल ही शुरुआत में कुछ नए नियम लागू होते हैं, जिनका असर सीधे तौर पर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे ही कुछ नियम एक जनवरी से लागू होने वाले हैं।8वां वेतन आयोग एक जनवरी, 2026 से लागू हो जाएगा। केंद्र सरकार इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इससे प्रत्यक्ष तौर पर करीब 50 लाख कर्मचारियों और लगभग 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। नए वेतन आयोग से सरकारी कर्मचारियों के वेतन में 20 से 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है।नए साल पर क्रेडिट स्कोर में भी बड़ा बदलाव होने जा रहा है। फिलहाल क्रेडिट स्कोर महीने में एक बाद अपडेट होता है, लेकिन 2026 से यह हर हफ्ते यानी हर 7 दिनों में अपडेट होगा। इससे ईएमआई समय से भरने का फायदा जल्द ही मिलेगा। केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना का फायदा लेने वालों के लिए नया सिस्टम किसान आईडी पेश किया है। एक जनवरी 2026 से यूपी, बिहार और मध्यप्रदेश जैसे कई राज्यों में यह सिस्टम लागू हो रहा है। इस डिजिटल आईडी में किसानों की भूमि, फसल, आधार और बैंक आदि की जानकारी होगी। अगर यह आईडी नहीं है तो पीएम किसान योजना के तहत आने वाली 6,000 रुपए की सालाना मदद रुक सकती है।

हर किसान के खेत तक पहुँचेगा सिंचाई के लिए जल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य
सिंचाई के रकबे में हो रही है निरंतर वृद्धि

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की किसानों की खुशहाली की परिकल्पना को साकार करते हुए मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई तीन बड़ी परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर तक करने में सफलता मिलेगी। साथ ही प्रदेश की अन्य निर्माणाधीन सिंचाई परियोजना भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होंगी। प्रदेश में गत दो वर्षों में सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। किसानों की तरक्की और खुशहाली हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृषि के अतिरिक्त पेयजल, उद्योगों, विद्युत उत्पादन आदि के लिए जल की उपलब्धता कराये जाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़ो अभियान के सपने को साकार करने का कार्य प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। इस परियोजना से पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदल जाएगी। इस परियोजना से न केवल सिंचाई अपितु पेयजल एवं विद्युत उत्पादन का लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की दूसरी महत्वपूर्ण पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना है। इससे प्रदेश के बड़े हिस्से में सिंचाई, पेयजल, उद्योगों आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा। प्रदेश में आकार ले रही तीसरी महत्वपूर्ण परियोजना तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना है, जो कि विश्व में अपने आप में एक अनूठा प्रयास है। इस परियोजना अंतर्गत वर्षा के दौरान ताप्ती नदी के अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से भू-जल भरण के लिए उपयोग किया जाकर भू-जल स्तर में वृद्धि की जाएगी। परियोजना के क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों के मध्य सहमति बन चुकी है।मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी की पर ड्रॉप मोर क्रॉप की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। सिंचाई प्रबंधन में मध्यप्रदेश देश में सर्वोच्च स्थान पर है। प्रदेश में सिंचाई के रकबे में निरंतर वृद्धि हो रही है। माइक्रो सिंचाई पद्धति में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है। जल संरक्षण एवं संवर्धन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये म.प्र. को राष्ट्रीय जल अवार्ड भी मिला है।

केन-बेतवा राष्ट्रीय परियोजना

परियोजना की लागत 44 हजार 605 करोड़ रूपये है। इससे सिंचाई 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर में हो सकेगी। परियोजना से बुन्देलखण्ड के 10 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ, निवाडी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा एवं सागर के लगभग 2 हजार ग्रामों के 7 लाख 25 हजार किसान परिवार लाभान्वित होंगे। साथ ही 44 लाख आबादी को पेयजल मुहैया हो सकेगा। परियोजना से 103 मेगावॉट विद्युत (जल विद्युत) और 27 मेगावॉट सौर उर्जा का उत्पादन होगा।

भू-जल की स्थिति में सुधार, औद्योगीकरण, पर्यटन एवं रोजगार के अवसर में भी वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने परियोजना का भूमि-पूजन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसम्बर 2024 को किया। परियोजना का कार्य प्रांरभ हो चुका है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

भोपाल (आरएनएस)। बैरसिया थाना इलाके में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सुन्दर सिंह पिता किरन सिंह (21) भोपाल की नवजीवन कॉलोनी मंडी गेट के पास किराए से रहता था। वह मूल रूप से ललरिया थाना बैरसिया का रहने वाला था और मजदूरी का काम करता था।परिवार से मिलने के लिए मंगलवार को घर गया था। वहां से देर रात लौट रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से जख्मी सुन्दर को भोपाल के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाले वाहन चालक की पहचान की कोशिश पुलिस कर रही है।

नए साल में लगेगा बिजली बिल का करंट

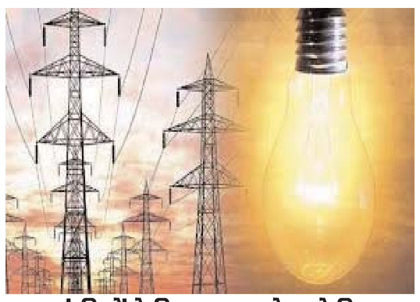

कंपनियों ने नियामक आयोग को दिया 10.19 प्रतिशत बिजली दर बढ़ाने का प्रस्ताव

भोपाल (ए) । मप्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक और झटका तैयार है। आने वाले समय में बिजली बिल महंगे हो सकते हैं और इसकी वजह सुनकर लोग हैरान हैं। बिजली वितरण कंपनियां अब अपने पुराने हो चुके तार, केबल और मशीनों के घिसने-पिटने का खर्च भी सीधे उपभोक्ताओं से वसूलना चाहती हैं। कंपनियों ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के सामने जो सालाना राजस्व आवश्यकता दाखिल की है, उसमें डिप्रिसिएशन ऑफ एसेट्स के नाम पर 1,190 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया गया है। कंपनियों की मांग है कि इस रकम की भरपाई के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी की जाए। अगर आयोग ने इसे मंजूरी दे दी, तो सिर्फ डिप्रिसिएशन का बोझ ही हर महीने के बिजली बिल में करीब 2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकता है।

बिजली कंपनियों ने साल 2026-27 के लिए कुल 6,044 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का हवाला देते हुए 10.19 प्रतिशत टैरिफ हाइक का प्रस्ताव रखा है। कंपनियों के मुताबिक, उन्हें कुल 65,374 करोड़ रुपये की जरूरत है। इसमें 57,559 करोड़ रुपये बेस एआरअएर, 3,451 करोड़ रुपये बिजली खरीद से जुड़ा अतिरिक्त खर्च और 4,365 करोड़ रुपये 2024-25 के पुराने खर्चों का 'ट्रू-अप' शामिल है। कंपनियों का कहना है कि बिजली बिक्री से होने वाली आमदनी इस खर्च से 6,044 करोड़ रुपये कम रहेगी, जिसकी भरपाई उपभोक्ताओं से की जानी चाहिए।

आज से बदलेगी 26 ट्रेनों की टाइमिंग

- भोपाल-इंदौर इंटरसिटी अब 10 मिनट लेट रवाना होगी

भोपाल (ए.)। नए साल के पहले दिन यानी, 1 जनवरी से भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) से आने-जाने वाली 26 ट्रेनों की टाइमिंग बदलेगी। रेलवे ने नया शेड्यूल जारी कर दिया है। भोपाल-इंदौर इंटरसिटी अब 10 मिनट लेट रवाना होगी। जयपुर, जोधपुर, रीवा, अगरतला, ग्वालियर, बिलासपुर, बीना, कोटा, मैसूर, दरभंगा, दिल्ली, कन्याकुमारी, पटना, प्रयागराज समेत कई जगहों पर जाने वाली ट्रेनों की टाइमिंग भी बदली गई है। रेलवे ने नई समय सारणी भी जारी कर दी है। हालांकि, भोपाल के तीनों स्टेशन से आने-जाने वाली ट्रेनों में 5 से 15 मिनट का बदलाव किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया, 1 जनवरी से लागू नई समय-सारणी अनुसार विभिन्न स्टेशनों पर गाडियों के आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन एवं मंडल में अधिकांश गाडियों की औसत गति बढने से समय की बचत होगी। प्रबंधक कटारिया ने बताया, टाइमिंग के बदलाव के अलावा पश्चिम मध्य रेलवे एवं भोपाल मंडल पर अधिकांश ट्रेनों

स्पीडिंग अप भी किया गया है। इस संबंध में संबंधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों को भी सुझाव है कि असुविधा से बचने के लिए 1 जनवरी से प्रभावी समय-सारणी की जानकारी स्टेशन, अधिकृत बेवसाइट अथवा रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

कई ट्रेनों का प्रस्थान समय बदला

- भोपाल-रीवा एक्सप्रेस अब रात 11:05 की बजाय रात 11 बजे चलेगी। भोपाल-डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस शाम 5 की जगह 5:10 बजे रवाना होगी।- भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस अब 4:55 की बजाय 4:40 बजे चलेगी। - रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस रात 10 की जगह 9:55 बजे प्रस्थान करेगी।
- रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस 10 मिनट पहले रवाना होगी।

आगमन समय में भी हुआ बदलाव

रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस अब रीवा सुबह 7:55 बजे पहुंचेगी। बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस भोपाल शाम 5:18 की जगह 5 बजे पहुंचेगी। कटनी-बीना, कोटा-बीना और ग्वालियर-बीना ट्रेनों के आगमन समय में भी 5 से 55 मिनट तक का अंतर किया गया है। इटारसी, बीना, रूठियाई जैसे प्रमुख जंक्शनों पर रुकने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में भी बदलाव किया गया है। इनमें बिलासपुर-इंदौर, रानी कमलापति-रीवा, भोपाल-जोधपुर, दरभंगा-मैसूर, पटना-बेंगलुरु और कन्याकुमारी एक्सप्रेस शामिल हैं।

15 दिन की बच्ची का वजन लगातार घटने के बावजूद झाड़ फूंक पर अड़े थे परिजन

आशा कार्यकर्ता ने गंभीरता को समझा,अस्पताल पहुंचाकर कराया उपचार

भोपाल, (ए.)। बैरसिया के ग्राम आकिया में 17 दिसंबर को जन्मी बच्ची के लगातार कम होते वजन को देखते हुए आशा कार्यकर्ता ने बच्ची को समय पर अस्पताल पहुंचा कर इलाज करवाया गया। इलाज के बाद

वजन और स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है। जन्म के समय बच्ची का वजन 2.5 किलो ग्राम था। जो कि अगले 10 दिनों में कम होकर 1.7 किलोग्राम रह गया था। बच्चे की इस स्थिति के बावजूद परिजन झाड़ फूंक से इलाज करवाने पर अड़े थे। गृह आधारित शिशु स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत गांव की आशा कार्यकर्ता सुमन लोवंशी द्वारा घर जाकर मां और बच्चे के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही थी।गृह भेंट के दौरान आशा कार्यकर्ता ने जन्म के सातवें दिन बच्चे का वजन 2.10 किलोग्राम पाया गया। इस पर आशा कार्यकर्ता द्वारा मां को स्तनपान परामर्श दिया गया। तीन दिन बाद आशा कार्यकर्ता फिर से हितग्राही के घर पहुंची तो उसका वजन निरंतर गिरता हुआ पाया गया और इस बार वजन 1.7 किलोग्राम था। जिसको आशा कार्यकर्ता ने गंभीरता से लिया और हितग्राही को अस्पताल चलने के लिए कहा। लगातार कम होते वजन के बावजूद परिवारजन झाड़ फूंक से इलाज करवाने की बात करते रहे।

मप्र ने विदा लेते वर्ष 2025 में बनाया अभी तक की बिजली की अधिकतम मांग की आपूर्ति का नया कीर्तिमान

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश ने विदा लेते वर्ष 2025 में ऊर्जा क्षेत्र में फिर से एक नया कीर्तिमान दर्ज कर लिया है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को बताया कि वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसम्बर 2025 को सुबह 10:44 बजे प्रदेश की बिजली प्रणाली ने उस समय नया आयाम स्थापित किया, जब प्रदेश में 19849 मेगावाट बिजली की डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान प्रदेश की विद्युत कंपनियों ने बेहतरीन समन्वय बनाकर निर्वाध विद्युत आपूर्ति की।ऊर्जा मंत्री तोमर ने सभी विद्युत कंपनियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुये कहा कि यह विद्युत कार्मिकों की मेहनत, समर्पण का परिणाम है। श्री तोमर ने बताया कि अधिकतम डिमांड के समय मध्यप्रदेश के उत्पादन केन्द्रों, लाईनों और सबस्टेशनों से निर्वाध विद्युत आपूर्ति की गई।एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता ने जानकारी दी कि प्रदेश में जब बिजली की मांग 19849 मेगावाट पर दर्ज हुई उस दौरान मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (जबलपुर, सागर व रीवा संभाग) में 5351 मेगावाट, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (भोपाल व ग्वालियर संभाग) में 6171 मेगावाट, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (इंदौर व उज्जैन संभाग) में 7911 मेगावाट, एसईज़ेड एवं रेलवे में 416 मेगावाट बिजली की मांग दर्ज हुई।

नगरीय निकाय उप निर्वाचन के परिणाम घोषित, कांग्रेस-भाजपा में दिखा कड़ा मुकाबला

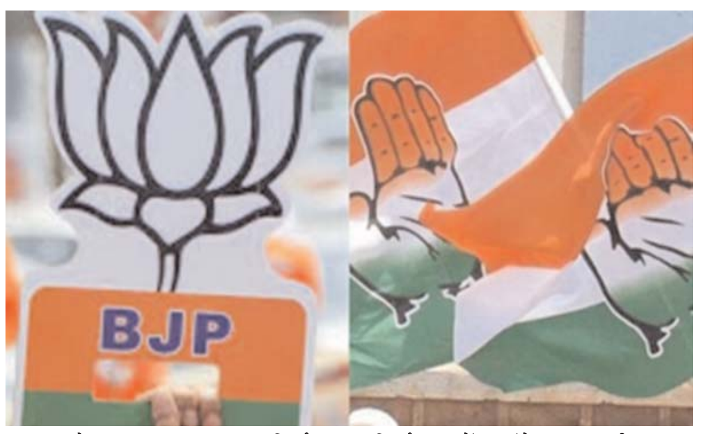

भोपाल, (ए.) । राज्य निर्वाचन आयोग ने बुधवार को नगरीय निकायों के उप निर्वाचन के परिणाम घोषित कर दिए हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अध्यक्ष एवं पार्षद पदों पर हुए उप चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जबकि कुछ स्थानों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।रीवा जिले की सेमरिया नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए हुए उप निर्वाचन में कांग्रेस प्रत्याशी पदमा कुशवाहा ने जीत हासिल की। पदमा कुशवाहा को कुल 4391 मत प्राप्त हुए, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की आराधना विश्वकर्मा को 3648 मत मिले। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 8172 मत डाले गए, वहीं 133 मत नोटा के पक्ष में पड़े। चुनाव सविरोध संपन्न हुआ। वहीं, पार्षद पदों के उप चुनाव के परिणाम भी घोषित किए गए। भिंड जिले के लहार नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 5 से भाजपा की संगीता समाधिया विजयी रहीं। उन्होंने कांग्रेस की सुमन देवी को पराजित किया। आलमपुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 13 में कांग्रेस की कविता सिंह ने भाजपा के संतराम को हराया। रीवा जिले के सेमरिया नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 3 में निर्दलीय प्रत्याशी अभिषेक कुमार पांडेय ने भाजपा प्रत्याशी हरी विष्णु केशरी को पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की। भिंड जिले के मेहगांव नगर पालिका वार्ड क्रमांक 5 में भाजपा की ज्ञानश्री विजयी रहीं।मंडला नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 8 से भाजपा की कृतिका चौरसिया, देवास जिले के सतवास नगर पालिका वार्ड क्रमांक 9 से कांग्रेस की सोनम, बड़वानी जिले के पानसेमल नगर पालिका वार्ड क्रमांक 2 से भाजपा की सलोनी राणा ने जीत दर्ज की।इन उप चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि नगरीय निकायों में कांग्रेस और भाजपा दोनों को मिला-जुला जनादेश मिला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये परिणाम आगामी चुनावों के लिए दोनों प्रमुख दलों के लिए संकेतक साबित हो सकते हैं।

पुलिस मुख्यालय परिवार द्वारा चार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

भोपाल (ए.)। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह दिसंबर में सेवानिवृत्त चार कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा नेबुधवार को भावभीनी विदाई दी। डीजीपी ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये।नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंसहॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अंशुमान सिंह एवं अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्तमान सेवी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा भगवानदास विधानी, कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक सीआईडी श्रीमती कल्पना शर्मा मिश्रा, सूबेदार (एम) विशेष शाखा ओम नारायण द्विवेदी तथा प्रधान आरक्षक (एम) विशेष शाखा श्रीमती स्वराजवती वर्मा को पुलिस मुख्यालय परिवार ने बुधवार को भावभीनी विदाई दी।

महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी करता, फिर पहनकर घूमता, पुलिस पकड़ने पहुंची तो घर पर सोता मिला आरोपित

कॉलोनियों में दहशत फैलाने वाले आरोपित की मनोवैज्ञानिक जांच की तैयारी

भोपाल, (ए.)। कोलार पुलिस ने बुधवार को ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया, जो घरों में घुसकर महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चुराता था और उन्हें पहनकर घूमता था। मंगलवार रात वह अमरनाथ कॉलोनी में रहने वाले एक डेरी संचालक के घर घुसा और बालकनी से महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चुरा लिए। आरोपी की पहचान उसके श्रमिक कार्ड से हुई, जो चोरी के दौरान घटनास्थल पर गिर गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में मनोवैज्ञानिक पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

घटना मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे की है। अमरनाथ कॉलोनी में रहने वाले एक डेयरी संचालक ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपने घर की बालकनी में देर रात संदिग्ध परछाईं देखी। जब उन्होंने गेट खोलकर शोर मचाया तो आरोपित महिलाओं के अंडरगारमेंट्स लेकर मौके से भाग गया। भागते समय आरोपित का श्रमिक कार्ड वहीं गिर गया, जिस पर उसका नाम दीपेश लिखा था। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने बुधवार दोपहर आरोपित को उसके

घर से पकड़ लिया। पुलिस की दबिश के दौरान आरोपित घर पर सो रहा था और चोरी किए गए अंडरगारमेंट्स उसने पहन रखे थे। पुलिस ने मौके से कपड़े जब्त किए और आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस पूरी कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित ने बताया कि आरोपित ने इससे पहले मंदाकिनी कॉलोनी के एक अन्य घर में भी चोरी की थी। भागते समय वहां से चुराए गए अंडरगारमेंट्स उनके घर में छूट गए, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपित ने ऐसे कितने घरों को निशाना बनाया है।कोलार पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ चोरी और आपराधिक अतिक्रमण से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी अकेले यह हरकत करता था या इसमें कोई और शामिल था। आसपास की कॉलोनियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है और उसकी पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। साथ ही, यह भी देखा जा रहा है कि आरोपी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है या नहीं।

धोखाधड़ी से बचें-टाइगर रिज़र्व में सफारी MPOnline.gov.in से ही करें बुकिंग

भोपाल (आरएनएस)।वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के टाइगर रिजर्व में सफारी टिकटों की बुकिंग केवलMPOnline के माध्यम से ही अधिकृत है। इसके अलावा किसी भी निजी वेबसाइट, मोबाइल ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म को सफारी बुकिंग की अनुमति नहीं दी गई है। ऐसे किसी भी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा रही बुकिंग अवैध है। विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि वे अत्यंत सतर्क रहें और केवल अधिकृत MPOnline पोर्टल के माध्यम से ही सफारी बुकिंग करें।विभाग की अपील है कि यदि किसी पर्यटक ने इन अनधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सफारी बुक कराई है और वह धोखाधड़ी का शिकार हुआ है, इससे किसी प्रकार का नुकसान हुआ है अथवा बुकिंग संबंधी कोई अन्य शिकायत है, तो वह तत्काल संबंधित कार्यालय को इसकी सूचना दे। शिकायतों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिये राज्य साइबर पुलिस सेल को भेजा जाएगा।

हाई स्कूल स्तर पर आयोजित गणित एवं विज्ञान विषय में ओलंपियाड परीक्षा परिणाम घोषित

भोपाल (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाई स्कूल स्तर पर गणित एवं विज्ञान विषय आधारित ओलंपियाड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। प्रदेश में कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों की गणित एवं विज्ञान विषय में रूचि संवर्द्धन की दृष्टि से शिक्षण सत्र 2025-26 में ओलंपियाड परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा का पहला चरण 7 दिसम्बर 2025 को सम्पन्न हुआ। यह परीक्षा विकासखंड स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 70 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया गया था। ओलंपियाड की द्वितीय चरण की परीक्षा संभाग स्तर पर 28 दिसम्बर 2025 को हुई थी। संभाग स्तर पर प्रत्येक विषय में ऐसे विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिन्होंने विकासखंड स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया था। संभाग स्तर पर गणित विषय में कुल 373 और विज्ञान विषय में 395 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।परीक्षा से संभाग स्तर पर परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य स्तर पर ओलंपियाड़ विजेता के लिये चयन किया गया है। पुरस्कार स्वरूप प्रथम पुरस्कार के लिये 51 हजार रूपये, द्वितीय के लिये 31 हजार रूपये और तृतीय पुरस्कार के लिये 21 हजार रूपये और सांतवना पुरस्कार स्वरूप 2-2 छात्रों 11-11 हजार रूपये की राशि दी गई है।विज्ञान पुरस्कार-विज्ञान विषय में पहला पुरस्कार अलीराजपुर जिले के भाभरा बलॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल सेजवारा के परेश गनावा और सतना जिले के नागोद ब्लॉक के शासकीय बालक हायर सेकण्डरी स्कूल के दर्श त्रिपाठी को संयुक्त रूप से दिया गया है।

ताप्ती जल से हर घर तक शुद्ध जल

बुरहानपुर जल आवर्धन योजना से बदल रही तस्वीर तकनीकी, वित्तीय, सामाजिक एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण

बुरहानपुर(ए.) । ताप्ती नदी आधारित ''जल आवर्धन योजना'' से बुरहानपुर शहर को एक आधुनिक, सुरक्षित और भरोसेमंद जल आपूर्ति प्रणाली मिली है। परियोजना का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और नगरपालिक निगम बुरहानपुर द्वारा किया गया है। बुरहानपुर शहर में बढ़ती जनसंख्या और बदलती जीवन शैली के बीच सुरक्षित पेयजल की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

बुरहानपुर शहर की जल वितरण अधोसंरचना पुरानी हो गई थी, जिससे जलापूर्ति ट्यूबवेलों लीकेज, गंदगी की मिलावट का खतरा था। गिरता भूजल स्तर जल की भविष्य की सुचारू उपलब्धता संकट था।

50 एमएलडी क्षमता का आत्याधुनिक जलशोधन संयंत्र

इन चुनौतियों को दूर करने के लिए ताप्ती नदी आधारित नई जलप्रदाय प्रणाली विकसित की गई है। इसके तहत एनीकट, इंटेकवेल और 50 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक जलशोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। जल शोधन संयंत्र में पानी को फिल्ट्रेशन क्लोरीनेशन और अन्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से शुद्ध किया जाता है। स्काडा प्रणाली से गुणवत्ता और आपूर्ति की निरंतर निगरानी की जाती है। पानी की क्वालिटी की रोज़ाना मॉनिटरिंग के लिए डब्ल्यूटीपी में एक हाई-लेवल वॉटर टेस्टिंग लैब भी स्थापित की गई है। शुद्ध जल को 8 नए ओवरहेड टैंक और बेहतर पाइप नेटवर्क से शहर के प्रत्येक हिस्से तक पहुंचाया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पुराने और क्षतिग्रस्त पाइपों को हटाकर नया वितरण नेटवर्क बिछाया गया है। बुरहानपुर में लगभग 41 हजार घरों में मीटरयुक्त नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं, इससे लीकेज पर नियंत्रण हुआ है, जल के अपव्यय में कमी आई है और जल वितरण व्यवस्था अधिक सुचारु हुई है। वर्तमान में नगरवासियों को प्रति व्यक्ति लगभग 135 लीटर शुद्ध पेयजल प्रतिदिन मिल रहा है। बुरहानपुर में 275 ट्यूबवेल से जलापूर्ति की जा रही थी, नई प्रणाली से टैंकरों और ट्यूबवेल पर निर्भरता लगभग समाप्त हुई है।

महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पहुंची भागीरथपुरा, पार्षद को भेंट की चूड़ियां

सभी मृतकों के घर जाकर शोक जताया, घायलों से की मुलाकात

इंदौर, (ए.) । मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया बुधवार को भागीरथपुरा की गलियों में पहुंची। उन्होंने दूषित पानी के कारण मौत के शिकार हुए लोगों के घर जाकर शोक जताया और घायलों से भी मुलाकात की। उन्होंने मांग की है कि हर मृतक के परिवार को 20-20 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। इस दौरान क्षेत्र के पार्षद कमल वाघेला के घर पर जाकर महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने चूड़ियां भेंट की। क्षेत्र के लोगों ने यह जानकारी दी कि उनके द्वारा नल में गंदा पानी आने की शिकायत क्षेत्र के पार्षद कमल वाघेला से की थी लेकिन पार्षद के द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया जिसके चलते हुए इतने लोगों की मौत हुई। इसके बाद पार्षद के द्वारा क्षेत्र के लोगों को डराया धमकाया जा रहा है। यह जानकारी मिलने पर क्षेत्र के लोगों को साथ में लेकर रीना बौरासी सेतिया उक्त पार्षद के घर गई। पार्षद के परिवार के लोगों ने कहा कि पार्षद घर पर नहीं है और उनके बेटे ने महिला कार्यकर्ताओं को हटाने के लिए पानी डालना शुरू कर दिया। पार्षद के घर पर चूड़ियां देकर महिला कार्यकर्ता वापस लौटी।

अमरकंटक में जमी ओस की बूंदें नए वर्ष पर शीतलहर के बीच नर्मदा दर्शन को पहुंचे श्रद्धालु

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जिससे जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटक नगरी मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक भी प्रभावित है। यहां शीतलहर का अधिक प्रकोप है और रात में गिरने वाली ओस की बूंदें सुबह हल्की बर्फ की परत के रूप में जम रही हैं। वहीं जिला मुख्यालय में रात का तापमान 3 से 4 डिग्री तक पहुंचा हैं।नए वर्ष 2026 के अवसर पर नर्मदा दर्शन के लिए सैलानियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है। बुधवार को नर्मदा नदी के उत्तर एवं दक्षिण तटों, आसपास के खुले मैदानों, इंद्रदमन तालाब और शासकीय उद्यानिकी क्षेत्र में घास, फूल और पत्तियों पर रुई के समान सफेद बर्फ जमी हुई दिखाई दी।

रामघाट व उद्यानों में दिखी सफेद चादर

रामघाट के दक्षिण तट और उद्यानों में घास पर बिछी बर्फ की सफेद चादर सुबह के समय कांच की तरह चमक रही थी, जिससे दिन में भी ठंड का अधिक प्रभाव बना हुआ है। मौसम की स्थिति के अनुसार, दिन का तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जबकि रात में यह गिरकर 3 से 4 डिग्री के करीब पहुंच जा रहा है। दिन और रात के तापमान में लगभग 20 डिग्री के अंतर के कारण शीतलहर का प्रभाव और अधिक बढ़ गया है। इस भीषण ठंड से गरीब, मजदूर और श्रमिक वर्ग को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं, नर्मदा परिक्रमा पर निकले साधु-संत और परिक्रमावासी भी ठंड से प्रभावित हो रहे हैं।इन सबके बावजूद, मां नर्मदा के दर्शन और अमरकंटक की वादियों का दीदार करने के लिए रोजाना सैलानियों की आवाजाही बनी रहती है। गुरुवार को आने वाले नए वर्ष में मां नर्मदा के दर्शन कर साल की शुरुआत करने वाले श्रद्धालुओं और सैलानियों का आना शुरू हो गया है।

आबकारी विभाग की सतत कार्रवाई जारी

दो मामले में कुल 61 हजार रुपये से अधिक की अवैध मदिरा जब्त

इन्दौर (ए.) । नववर्ष के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम् वर्मा, सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी के आदेशानुसार आबकारी विभाग द्वारा ढाबों एवं बारों की सघन जांच की गई। जांच अभियान के दौरान दीपश्री ढाबा स्थान सिलिकॉन सिटी की जांच के दौरान 30 बोतल अलग-अलग ब्रांड की मदिरा जप्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 28 हजार 500 रुपये है। एक अन्य जांच अभियान के दौरान महाराजा ढाबा राऊ बायपास स्थित दीपश्री ढाबा की जांच की गई। उक्त कार्यवाही में कुल 17 बल्क लीटर माल्ट व 21.6 बल्क लीटर स्पिरिट जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 32 हजार 620 रुपए होना पाया गया है। ढाबा संचालकों एवं शराब पीने वालों पर आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। अभियान का उद्देश्य नववर्ष के दौरान अवैध मदिरा की बिक्री, अनियंत्रित शोर एवं अनुशासनहीन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। यह जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

ग्राम बगदरा के भदार नदी में श्रमदान से किया गया बोरी बंधान

ग्राम बगदरा के भदार नदी में श्रमदान से किया गया बोरी बंधान

कटनी (ए.)। जल संचय अभियान के तहत सेक्टर खितौली 03 के ग्राम बगदरा के प्रस्फुटन ग्राम बगदरा के भदार नदी में श्रमदान द्वारा "बोरी बंधान" का कार्य किया गया।जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केशवाल के निर्देशन एवं ब्लॉक समन्वयक नंदिनी वाटिया के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था प्रतिनिधि मनोज तिवारी के सहयोग व प्रस्फूटन समिति के सदस्यों के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 42 बोरी का बंधान किया गया। बोरी बंधान कार्यक्रम में ग्रामीण जनों को वर्षा जल को संचय करने का संदेश व जल के महत्व को बताते हुए जागरुक किया गया। इस कार्य में उपस्थित ग्राम नवांकुर संस्था मनोज तिवारी, परामर्शदाता कनछेदी कोरी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष कुलदीप सिंह, सचिव ओमकार यादव एवं ग्राम प्रस्फुटन समिति ऊँटिन टोला समिति अध्यक्ष ईश्वरदीन बर्मन, सचिव शिवरतन साकेश समिति सदस्य राजकुमार यादव, मिथलेश सिंह, सोने सिंह, अंकुश यादव, लवकुश यादव, संदीप भूमिया, नारायण यादव, ओमकार यादव, सुधीर सिंह साथ ही ग्रामीण जनों की भी सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

अवैध उत्खनन में लिप्त जेसीबी व ट्रेक्टर जब्त

ग्वालियर (ए.)। जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत खनिज विभाग की टीम द्वारा बुधवार को एक जेसीबी मशीन व एक ट्रेक्टर जब्त किया है। जेसीबी व ट्रेक्टर मिट्टी के अवैध उत्खनन व परिवहन करते हुए पकड़े गए हैं। इन दोनों वाहनों को विधिवत जब्त कर पुलिस थाना महाराजपुरा की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है।

व्यापार समाचार

एमसीए ने वित्त वर्ष 25 की एनुअल फाइलिंग की डेडलाइन 31 जनवरी तक बढ़ाई

नई दिल्ली (ए.) । कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनीज एक्ट के तहत वित्तीय विवरण और सालाना रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी, जिससे कंपनियों को अपनी जरूरी फाइलिंग पूरी करने के लिए और समय मिल गया।31 दिसंबर की डेडलाइन को ऐसे समय पर बढ़ाया गया है जब बड़ी संख्या में यूजर्स ने एमसीए पोर्टल पर टेक्निकल दिक्कतों की शिकायत की थी।करदाताओं ने बार-बार टाइमआउट, खराबी और सिस्टम एरर की रिपोर्ट की, जिससे डॉक्यूमेंट्स अपलोड करना और समय पर सबमिशन पूरा करना मुश्किल हो गया।यह विस्तार वित्त वर्ष 2024-25 की सालाना फाइलिंग पर लागू होता है, जिसे कंपनियों को कंपनीज एक्ट के तहत हर साल जमा करना होता है।

इन फाइलिंग में कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन और कानूनी अनुपालन से जुड़े जरूरी डिस्क्लोजर शामिल हैं।आधिकारिक बयान में मंत्रालय ने कहा कि पक्षकारों के प्रतिनिधियों से मिलने के बाद, कम्पेटेंट अथॉरिटी ने कंपनियों को बिना किसी अतिरिक्त फीस के 31 जनवरी, 2026 तक अपनी सालाना फाइलिंग पूरी करने की इजाजत देने का फैसला किया है।एमसीए ने स्पष्ट कहा है कि रिवाइज्ड डेडलाइन के अंदर की गई किसी भी फाइलिंग पर लेट फीस नहीं लगेगी।बढ़ाई गई टाइमलाइन में कई खास ई-फॉर्म शामिल हैं, जिनमें एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (आईएनडी एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (आईएनडी एएस), और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।मंत्रालय ने यह भी कहा कि उसके पहले के जनरल सर्कुलर नंबर 06/2025 में बताई गई बाकी सभी शर्तें वैसी ही रहेंगी और सिर्फ फाइलिंग की डेडलाइन में ढील दी गई है।

साल के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 545, निफ्टी 190 अंक उछला

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को साल 2025 के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 545.52 अंक करीब 0.64 फीसदी उछलकर 85,220.60 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 190.75 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी ऊपर आकर 26,129.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर सूचकांक तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.66 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.77 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.61 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.56 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.50 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.47 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मुख्य सूचकांक में केवल निफ्टी आईटी में ही -0.30 फीसदी की गिरावट रही।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक,

टाइटन, ट्रेंट, पावर ग्रिड, बीईएल, एनटीपीसी, एमएंडएम, एचयूएल, एसबीआई, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर उछले जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों को नुकसान हुआ।लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.25 अंक की तेजी के साथ 60,484.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 195 अंक की तेजी के साथ 17,713.95 पर था।इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में कमजोरी के बाद भी बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 84,793.58 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी-50भी मजबूती के साथ 25,971.05 पर खुला। एशियाई बाजारों में ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.17 फीसदी गिरा, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.42 फीसदी नीचे रहा। चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा। जापान और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया में बाजारों का कारोबार समय से पहले बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार भी दबाव में रहे। वॉल स्ट्रीट लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक शेयरों में कमजोरी के चलते एसएंडपी 500 में 0.14 फीसदी, नैस्डैक में 0.24 फीसदी और डॉव जोंस में 0.20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

जेब में रखा मोटोरोला का फोन पूरी तरह जलकर हुआ खाक, वीडियो देख लोग हुए हैरान

नई दिल्ली(ए.)। स्मार्टफोन ब्लास्ट का एक और डराने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मोटोरोला (Motorola) कंपनी के एक स्मार्टफोन में ब्लास्ट होने का दावा किया जा रहा है। वीडियो के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब फोन यूजर की जेब में रखा हुआ था। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन फोन का पिछला हिस्सा (बैक पैनल) पूरी तरह जल गया है। वायरल वीडियो में दिख रहे फोन के डिजाइन और रियर पैनल को देखकर टेक जगत के जानकार अनुमान लगा रहे हैं कि यह 'Moto G14' मॉडल हो सकता है, जिसे कंपनी ने साल 2023 में लॉन्च किया था। हालांकि, वीडियो में मॉडल नंबर को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ब्लास्ट के बाद फोन की हालत कितनी खराब हो गई है, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर यह जेब में फटता तो कितना बड़ा नुकसान हो सकता था।मोटोरोला के फोन में ब्लास्ट का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले जुलाई 2025 में हिमाचल प्रदेश से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था, जहां एक यूजर का फोन चार्जिंग के दौरान फट गया था। पीड़ित ने बताया था कि उसने वह फोन महज तीन महीने पहले ही खरीदा था। वहीं, इसी साल फरवरी में ब्राजील में भी एक महिला का मोटोरोला फोन ब्लास्ट होने की खबर आई थी। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने यूजर्स की चिंता बढ़ा दी है। आखिर स्मार्टफोन में ब्लास्ट क्यों होते हैं? टेक एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसके पीछे सबसे बड़ी वजह फोन की बैटरी होती है। खराब क्वालिटी की बैटरी, लोकल चार्जर का इस्तेमाल या फोन के फास्ट चार्जिंग सपोर्ट न करने पर भी उसे जबरदस्ती हाई-वोल्टेज फास्ट चार्जर से चार्ज करना हादसे का कारण बन सकता है। इसके अलावा, अगर फोन की बैटरी किसी वजह से डैमेज हो जाए या फोन गिरने से बैटरी पर दबाव पड़े, तो भी ब्लास्ट का खतरा बना रहता है।

साल के आखिरी दिन सोने-चांदी में तेज गिरावट

- सोने की कीमत 1,35,962 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,40,650 रुपए किलो

नई दिल्ली (ए.)। साल के आखिरी दिन बुधवार 31 दिसंबर को कीमती धातुओं के बाजार में जोरदार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। ऑलटाइम हाई स्तर छूने के बाद सोना और चांदी दोनों में तेज गिरावट दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों धातुओं के भाव कमजोर रहे, जिससे निवेशकों की नजरें बाजार की आगे की चाल पर टिक गई हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 1,35,962 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। वहीं चांदी में इससे भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। चांदी का भाव 4.13 फीसदी टूटकर 2,40,650 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। जानकारों के मुताबिक, रिकॉर्ड स्तरों के बाद मुनाफावसूली और साल के अंत में पोजिशन क्लोजिंग के कारण कीमतों पर दबाव बढ़ा। इससे पहले मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,000 रुपये उछलकर 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि, सोने में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 2,800 रुपये टूटकर 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया, जबकि सोमवार को यह 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार निकट भविष्य में भले ही चांदी में उतार-चढ़ाव बना रहे, लेकिन दीर्घकाल में इसे मजबूत औद्योगिक मांग से समर्थन मिल सकता है। खासकर सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ती मांग और आपूर्ति से जुड़ी संरचनात्मक चुनौतियां चांदी की कीमतों के लिए सहायक साबित हो सकती हैं।

सरकार ने दिया नए साल का तोहफा- साल 2027 तक इलेक्ट्रिक वाहनों पर पूरा टैक्स माफ

नई दिल्ली(ए.)। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (EV) को लेकर तमिलनाडु एक बार फिर देश के अग्रणी राज्यों में नजर आ रहा है। राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100त्न मोटर व्हीकल टैक्स छूट को 31 दिसंबर 2027 तक बढ़ा दिया है। इससे पहले लागू यह राहत अब और लंबी अवधि के लिए जारी रहेगीइस फैसले से न सिर्फ EV खरीदना सस्ता होगा, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और उद्योग जगत को भी स्पष्ट और स्थिर नीति का भरोसा मिलेगा। तमिलनाडु सरकार ने साफ कर दिया है कि वह इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर पीछे हटने वाली नहीं है।

2026 से 2027 तक पूरी टैक्स छूट

सरकारी अधिसूचना के अनुसार, 1 जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2027 तक राज्य में सभी बैटरी-ऑपरेटेड वाहन—चाहे वे ट्रांसपोर्ट कैटेगरी में हों या नॉन-ट्रांसपोर्ट—मोटर व्हीकल टैक्स से पूरी तरह मुक्त रहेंगे। यह निर्णय Tamil Nadu Motor Vehicles Ta&ation Act, 1974 के तहत लिया गया है। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल की परिभाषा वही मानी जाएगी, जो Central Motor Vehicles Rules, 1989 में दी गई है।

निजी ही नहीं, कमर्शियल EV को भी फायदा

इस नीति की खास बात यह है कि टैक्स छूट सिर्फ निजी इलेक्ट्रिक वाहनों तक सीमित नहीं है। टैक्सी, बस और अन्य कमर्शियल व पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल होने वाले EVs भी इस 100% टैक्स छूट का लाभ उठा सकेंगे।

EV नीति के पीछे मुख्यमंत्री स्टालिन की सोच

EV को लेकर मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की दीर्घकालिक सोच को इस फैसले से जोड़ा जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि टैक्स छूट से इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआती लागत घटेगी, जिससे अधिक लोग पेट्रोल-डीजल से इलेक्ट्रिक विकल्पों की ओर बढ़ेंगे। इससे न केवल ईंधन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2025 तक तमिलनाडु में EV की हिस्सेदारी करीब 7.8% तक पहुंच चुकी है। हालांकि सरकार और इंडस्ट्री दोनों मानते हैं कि अभी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई चेन को और मजबूत करने की जरूरत है।

EV इंडस्ट्री के लिए यह फैसला इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इससे पॉलिसी स्टेबिलिटी का स्पष्ट संदेश जाता है। लंबी अवधि तक तय टैक्स छूट से कंपनियां निवेश और मैन्युफैक्चरिंग प्लान ज्यादा आत्मविश्वास के साथ बना सकती हैं। इससे राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तमिलनाडु एक EV मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में और मजबूत होगा। वैश्विक स्तर पर जब क्लीन मोबिलिटी निवेश को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, ऐसे समय में तमिलनाडु का यह कदम अलग और मजबूत नजर आता है।

बैंकों में लावारिस पड़े हैं 62 हजार करोड़ रुपए, अकेले स्टूट के पास जमा है सबसे ज्यादा अनक्लेम्ड रकम

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल ही में देश के बैंकिंग सेक्टर को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी साझा की है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, देश के विभिन्न बैंकों में बिना दावे (Unclaimed Deposits) वाली रकम का आंकड़ा साल 2024 के अंत तक बढ़कर 62,314 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। यह वह धनराशि है जो ऐसे बैंक खातों में पड़ी है, जिनमें पिछले 10 साल या उससे अधिक समय से न तो पैसा निकाला गया है और न ही जमा किया गया है। यानी एक दशक से ये खाते पूरी तरह निष्क्रिय हैं।

आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस 'लावारिस' रकम का सबसे बड़ा हिस्सा सरकारी बैंकों (Public Sector Banks) की तिजोरी में है। कुल अनक्लेम्ड राशि में से करीब 50,900 करोड़ रुपये केवल सरकारी बैंकों में जमा हैं। इसमें भी देश का सबसे बड़ा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) लिस्ट में सबसे ऊपर है। अकेले SBI के पास करीब 16,968 करोड़ रुपये का ऐसा पैसा है, जिस पर अब तक किसी ने क्लेम नहीं किया है। पिछले तीन सालों में यह समस्या तेजी से बढ़ी है, क्योंकि साल 2021 में यह आंकड़ा लगभग 31,000 करोड़ रुपये था, जो अब दोगुने से भी ज्यादा हो चुका है।

भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी

बांग्लादेश में अब सिर्फ यह मसला नहीं है कि वहां भारत विरोधी उग्रवादी तत्व सक्रिय हैं। बल्कि अब वहां भारत विरोध पर आम सहमति बन गई है। तमाम समूह भारत पर बांग्लादेश की संप्रभुता की अनदेखी करने का इल्जाम लगा रहे हैं।भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में फंसे कांटे की चुभन लगातार तीखी होती जा रही है। इससे भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं। तमाम संकेत हैं कि बांग्लादेश में अगले 12 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए गरमाते माहौल के बीच राजनीतिक समूहों में अधिक से अधिक भारत विरोधी दिखने की होड़ लग गई है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की भारत में मौजूदगी को वहां के भारत विरोधी तत्वों ने गरम मुद्दा बना रखा है। इसी सिलसिले में ताजा घटना जुलाई ओइक्यो नाम के एक संगठन का ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग पर प्रदर्शन करने का कार्यक्रम है। एक अन्य संगठन ने खुलेआम कहा है कि वह भारत विरोधी उग्रवादी संगठनों को संरक्षण देगा। इन घटनाओं के मद्देनजर ही बुधवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को तलब किया। भारत ने औपचारिक विरोध दर्ज कराया। कहा कि ढाका में भारतीय मिशन और वीजा केंद्र को सुरक्षा देना बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है। कट्टरपंथी तत्वों की तरफ से फैलाए गए झूठे नैरेटिव के मद्देनजर भारत ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने घटनाओं की ना तो पूरी जांच की है और ना ही भारत के साथ कोई ठोस सबूत साझा किया है। फिलहाल ढाका में वीजा केंद्र को बंद कर दिया गया है।बांग्लादेश में बनते हालात के मद्देनजर यह सख्ती सही कदम है, मगर इससे गंभीर रूप ले रही समस्या का समाधान निकलने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश में अब सिर्फ यह मसला नहीं है कि वहां भारत विरोधी उग्रवादी तत्व सक्रिय हैं। बल्कि अब वहां मौजूद राजनीतिक समूहों में भारत विरोध पर आम सहमति है। ये समूह भारत पर बांग्लादेश की संप्रभुता की अनदेखी करने और वहां के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का इल्जाम मढ़ रहे हैं। जब से शेख हसीना को कई मामलों में कठोर सजाएं सुनाई गई हैं, माहौल और बिगड़ा है। इस माहौल में सद्भावपूर्ण संवाद भी कठिन होता जा रहा है। भारत के दीर्घकालिक हितों के लिहाज से यह अच्छी स्थिति नहीं है। एक और सरहद पर सुरक्षा संबंधी चुनौतियां संगीन रूप ले लें, यह किसी रूप में वांछित स्थिति नहीं होगी।

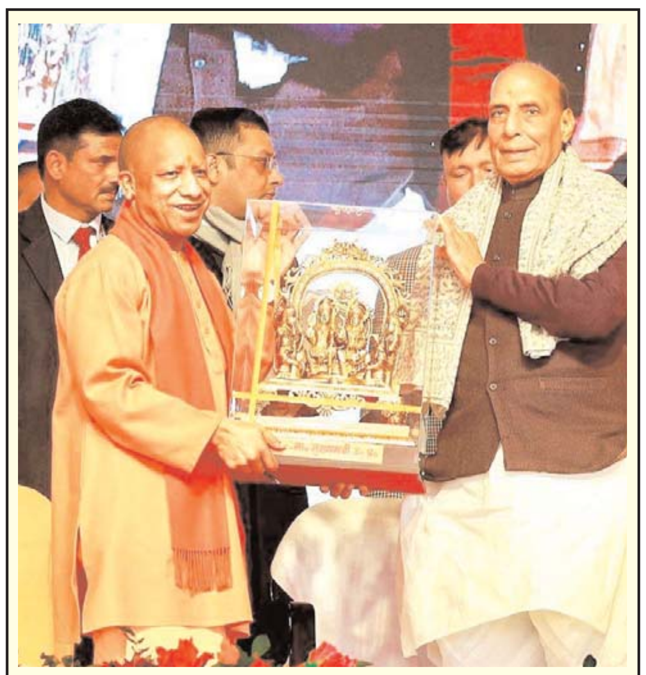

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर केप्राण प्रतिष्ठा समारोह की दूसरी वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया।

वर्ष 2025 को अलविदा, नववर्ष 2026 का स्वागत

– विनोद कुमार सिंह

हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है। जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार आईना दिखाया—हमारी सामूहिक चेतना, हमारे लोकतंत्र, हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का।

काल का च्रक महाकाल के इशारे पर अपनी धुरी पर निरतंर - र्निर्विध्न घुमता रहता है।समय का पहिया कभी नहीं रुकता।वह न किसी सत्ता या सरकार के आदेश का इंतज़ार करता है, न किसी विचारधारा की अनुमति लेता है।हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है।जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार सच्चाई का आईना दिखाया—हमारी सामूहिक चेतना,हमारे लोकतंत्र,हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का। एक बार फिर से वर्ष 2025 उम्मीदों और आशंकाओं के बीच झूलता रहा।यह वर्ष न पूरी तरह अंधकारमय था, न पूरी तरह ऊजालों से भरा रहा। यह वह समय था जब तकनीक ने अभूतपूर्व छलांग लगाई, लेकिन इंसानी रिश्तों में दूरी भी बढ़ी। यह वह साल था जब अर्थव्यवस्था के आँकड़े मजबूत दिखे, लेकिन आम आदमी की थाली, नौकरी और सुरक्षा पर सवाल उठते रहे। यह वह वर्ष भी था जब लोकतंत्र की संस्थाओं पर बहस तेज़ हुई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज दो स्पष्ट धाराओं में बँटा दिखा।

2025 ने हमें सिखाया कि विकास केवल सड़क, पुल और इमारतों का नाम नहीं है। .विकास का असली पैमाना यह है कि आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और सुना हुआ महसूस करता है।इस वर्ष ने यह भी बताया कि राष्ट्रवाद का सबसे सशक्त रूप वह होता है, जिसमें सवाल पूछने की आज़ादी सुरक्षित हो और असहमति को देशद्रोह न समझा जाए।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो 2025 में राजनीति और जनभावना के बीच की खाई और स्पष्ट हुई। राजनीति नेताओं ने अपने चुनावी भाषणों में जनता को सपने दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी , उनके घोषणापत्रों में वादे थे, लेकिन ज़मीनी सच्चाइयों से उनका मेल हमेशा नहीं बैठ पाया। सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिकाओं पर जनता की निगाहें टिकी रहीं। संसद से लेकर सड़कों तक,बहसें गरम रहीं—कभी कानूनों को लेकर,कभी संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर, तो कभी

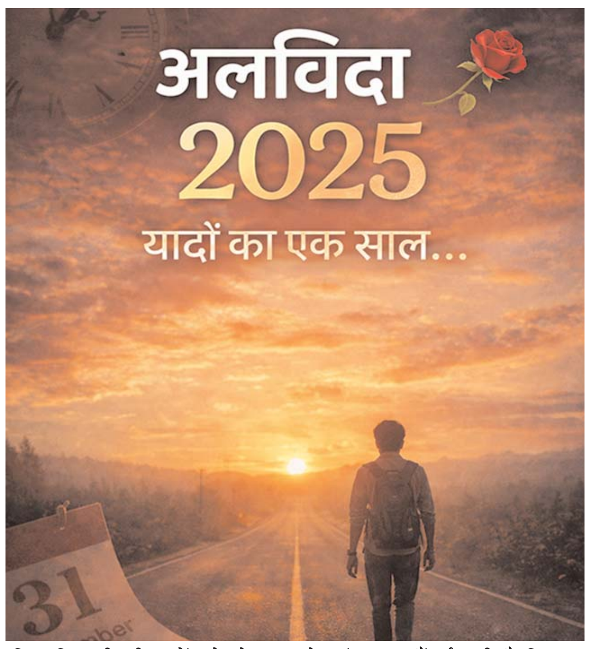

अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर। लोकतंत्र का सौंदर्य यही है कि वह सवालों से जीवित रहता है। 2025 में सवाल पूछे गए—कभी दबे स्वर में, कभी तेज़ आवाज़ में। पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कही जाती है, उसने भी इस वर्ष अपनी कठिन परीक्षा दी। कहीं वह दबाव में दिखी, कहीं साहस के साथ खड़ी नज़र आई।सच और सत्ता के बीच की यह खींचतान 2025 की सबसे बड़ी पहचान बनकर उभरी।आर्थिक मोर्चे पर 2025 विरोधाभासों का वर्ष रहा। एक ओर स्टार्ट-अप,डिजिटल भुगतान,आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में तेज़ प्रगति दिखी।दूसरी ओर बेरोज़गारी, महँगाई और असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा ने लाखों परिवारों को चिंता में डाले रखा। शहरों की चमक और गाँवों की चुनौतियों के बीच की दूरी और गहरी होती प्रतीत हुई।यह वर्ष बार-बार याद दिलाता रहा कि अगर विकास समावेशी नहीं है, तो वह स्थायी भी नहीं हो सकता।

शिक्षा और युवाओं के संदर्भ में 2025 एक निर्णायक मोड़ जैसा रहा। युवा ऊर्जा से भरे हैं, सपने देखते हैं, सवाल करते हैं। लेकिन उनके सामने अवसरों की अनिश्चितता, प्रतियोगिता का दबाव और मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियाँ भी हैं। इस वर्ष ने यह साफ़ किया कि केवल डिग्री बाँटना पर्याप्त नहीं, बल्कि कौशल, नैतिकता और रोजगार की ठोस व्यवस्था करना समय की मांग है। युवा अगर आश्वस्त नहीं होंगे,तो भविष्य भी अस्थिर रहेगा।

तकनीक के क्षेत्र में वर्ष 2025 ऐतिहासिक रहा।आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस,ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णयों ने जीवन को सुविधाजनक बनाया,लेकिन साथ ही निजता,रोजगार और मानवीय हस्तक्षेप पर नए सवाल खड़े किए। यह वर्ष हमें चेतावनी देकर गया कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। अगर तकनीक का संचालन मानवीय मूल्यों के बिना हुआ, तो वह प्रगति नहीं, संकट बन सकती है।

पर्यावरण के मोर्चे पर 2025 ने सबसे कड़ा संदेश दिया। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा, कहीं भीषण गर्मी—प्रकृति ने साफ़ शब्दों में कहा कि उसका धैर्य टूट रहा है।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। यह वर्ष हमें याद दिलाकर गया कि धरती केवल संसाधन नहीं, हमारी साझी विरासत है।अगर हम सामाजिक ताने-बाने की बात करें तो 2025 में सहिष्णुता की परीक्षा हुई।विविधता हमारे समाज की ताकत रही है,लेकिन इसे कमज़ोरी समझने की प्रवृत्ति भी दिखी। धर्म, जाति, भाषा और विचार के नाम पर खिंची लकीरें कहीं-कहीं और गहरी हुईं।फिर भी इसी समाज में ऐसे स्वर भी उभरे जिन्होंने संवाद, समरसता और मानवीय मूल्यों की बात की। यही विरोधाभास 2025 की आत्मा रहा।अब जब हम नववर्ष 2026 की दहलीज़ पर खड़े हैं, तो सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, बल्कि यह है कि हम नए साल को क्या देंगे। क्या हम पुराने पूर्वाग्रहों को भी साथ लेकर जाएंगे, या उन्हें यहीं छोड़ देंगे? क्या हम केवल शिकायतों की सूची बढ़ाएंगे, या समाधान का हिस्सा बनेंगे? 2026 का स्वागत केवल आतिशबाज़ी और शुभकामनाओं से नहीं होना चाहिए,बल्कि संकल्पों से होना चाहिए। संकल्प—एक अधिक संवेदनशील समाज का, एक अधिक जवाबदेह शासन का, एक अधिक ईमानदार सार्वजनिक जीवन का। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बदलाव किसी एक सरकार,संस्था या व्यक्ति से नहीं आता; वह सामूहिक चेतना से जन्म लेता है।नववर्ष 2026 हमें यह अवसर देता है कि हम संवाद को टकराव से ऊपर रखें।असहमति को शत्रुता न बनने दें। सवाल पूछने को अपराध नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझें। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब नागरिक जागरूक, निर्भीक और संवेदनशील होंगे।

सुधार एक्सप्रेस 2025: भारत के अगले विकास चरण की शांत आधार शिलाएं

हरदीप एस पुरी

जैसे-जैसे 2025 अपने अंतिम चरण में पहुँच रहा है, समाचार की बड़ी सुर्खियों पर आसानी से नजर जाती है, लेकिन कुछ बातें छूट जाती हैं, जैसे शासन का शांति से किया जा रहा कार्य - लगातार, सप्ताह दर सप्ताह अड़चनों का निपटारा - सुधार एक्सप्रेस 2025 से मेरा मतलब यही संचयी जोर है। भारत का सांकेतिक जीडीपी लगभग 4.1 ट्रिलियन डॉलर की सीमा को पार कर गया और भारतीय अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। स्टैण्डर्ड एंड पूअर्स ने 18 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग बीबीबी श्रेणी में की, जो संकेत है कि अर्थव्यवस्था की वृहद् गाथा ने केवल गति ही नहीं, बल्कि स्थायित्व भी हासिल किया है। एक अनिश्चित दुनिया में, जहाँ राजनीतिक उथल-पुथल आम बात हो गयी है, भारत का स्थिर नेतृत्व सुधारों को विश्वसनीय बनाता है और विश्वसनीय सुधार निजी सतर्कता को निजी निवेश में परिवर्तित करते हैं। मैंने देखा है कि गैट और डब्ल्यूटीओ प्रणाली से लेकर बहुपक्षीय मंचों तक, नियम केवल उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि वे प्रोत्साहन पैदा करते हैं। जब प्रक्रियाएँ अस्पष्ट होती हैं, तो विवेकाधिकार बढ़ जाता है और फिर अच्छी मंशा वाली नीति भी उद्यम को हतोत्साहित करती है। जब प्रक्रियाएँ स्पष्ट और समयबद्ध होती हैं, तो प्रतिस्पर्धा फलती-फूलती है, निवेश योजनाएँ लागू होती हैं और रोजगार सृजित होते हैं।भारत का कुल निर्यात 2024-25 के दौरान 825.25 बिलियन डॉलर पर पहुँच गया, जो 6 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है। इस व्यापार की मात्रा का समर्थन करने के लिए, सरकार ने कई डिजिटल उपकरण पेश किये हैं, जैसे व्यापार कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म, जो निर्यातकों के लिए एकल डिजिटल विंडो है और व्यापार खुफिया और विश्लेषण (टीआईए) पोर्टल, जो वास्तविक समय में बाजार डेटा प्रदान करता है। भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता, जिस पर जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हुए, ने भारतीय निर्यातकों के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया, जिसमें व्यापक शुल्क-मुक्त पहुंच और सेवा और कौशल आवागमन के लिए स्पष्ट मार्ग शामिल हैं। दिसंबर 2025 में, भारत ने ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे वस्तुओं, सेवाओं और निवेश के लिए एक रणनीतिक आर्थिक व्यवस्था मजबूत हुई। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का भी समापन किया, जिससे भारत की पहुंच को उच्च मूल्य वर्ग वाले बाजारों में विस्तार मिला और अनुशासित, व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण समझौतों के लिए एक रूपरेखा स्थापित हुई। भारत के स्टार्टअप क्षेत्र का विस्तार हुआ, जिसमें 2 लाख से अधिक सरकारी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप शामिल हैं और जिसने 21 लाख से अधिक नौकरियां सृजित करने में मदद की। डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) ने 3.26 करोड़ से अधिक ऑर्डर पूरे किए, जिनमें औसतन प्रतिदिन 5.9 लाख से अधिक लेनदेन हुए। इसके अतिरिक्त, सरकार की ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) का संचयी लेनदेन 16.41 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया, जिसमें 11 लाख सूक्ष्म और लघु उद्यमों को 7.35 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के ऑर्डर मिले।भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया और 139 अर्थव्यवस्थाओं में 38वें स्थान पर पहुँच गया। व्यवसाय संचालन को सरल बनाने के प्रयासों के परिणामस्वरूप 47,000 से अधिक अनुपालन कम हुए और 4,458 कानूनी प्रावधान अपराध मुक्त हुए। नवंबर के अंत तक, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली ने 8.29 लाख से अधिक अनुमोदनों को संसाधित किया। अवसंरचना योजना में भी बदलाव देखने को मिला, क्योंकि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को निजी क्षेत्र के लिए खोला गया और परियोजना निगरानी समूह पोर्टल ने 3,000 से अधिक परियोजनाओं को शामिल किया है।

मेष राशि- आज अपने गुस्से पर काबू रखें आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से विवाद की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें।

वृष राशि- आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। आज छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, परिवार में सभी एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे।

मिथुन राशि- आपके धन-संपत्ति में वृद्धि होगी आज आपको लोगों का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कर्क राशि- आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता रहेगी आजका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होग। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी। आपकी खुशियों में इजाफा होगा। ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलने की संभावना है, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा।

सिंह राशि- नजदीकी लोगों से बातचीत करते समय रहें सावधान आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बीताएंगे। आज शाम माता जी से आप भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, आपको माता जी का साथ मिलने से खुशी होगी। आज आपके मन में किसी प्रकार का डर रहेगा लेकिन डरने की बात नहीं है यह आपकी ओवर थिन्किंग के कारण हो सकता है। नजदीकी लोगों से बातचीत करते समय सावधान रहें, आपकी थोड़ी गलतफहमी की वजह से संबंधो में दरार आ सकती है।

कन्या राशि- आज ज्यादा तनाव लेने से बचें आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले भी पूरा हो सकता है।महिलाएं अपने बिजनेस में ज्यादा एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ भी होगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे।

तुला राशि- नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे आज का दिन आपके लिए बहुत सामान्य रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल हर एक बात पर ध्यान देकर स्थिति को सुधारने कोशिश करें। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे।

वृश्चिक राशि- आज रुके हुए पैसे की वापसी भी हो सकती है आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से काम संबंधी नाराजगी दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको ख़ुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। अन्य लोगों ने जिस प्रकार से अपने काम में प्रगति की है, वैसे ही अपने एक्सपीरियंस का इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे आपको जल्द ही सफलता मिलेंगी।

धनु राशि- रुके हुए कामों की शुरुआत होगी

आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लाया है। आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे,आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल रखने की जरुरत है। आस-पास के कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक रहेगी। गंभीर बातचीत में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

मकर राशि- किसी समस्या का समाधान मिलने से आपको राहत मिलेगी आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से आज शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। नए लोगों से मिलना और बातें करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कुंभ राशि- गैर जरूरी खर्चों पर काबू रखें आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा। आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे। आज किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया जल्दी न दें, पहले स्थितियों को समझें फिर अपनी राय सोच समझ कर दें इससे लोगों के बीच आपकी अहमियत बढ़ जाएगी।

मीन राशि- पारिवारिक रिश्तों के बीच आप सामंजस्य बनाने में सफल रहेंगे आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। कुछ लोगों के गलत बयान से आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ेगी, समय के साथ सब ठीक हो जायेगा।

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

– ललित गर्ग

(वैश्विक परिवार दिवस- 1 जनवरी, 2026)

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया। प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल

रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम परिवार, शिक्षा और कल्याण: आज और भविष्य इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुन: स्वीकार किया जाए। वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे।

घने कोहरे का असर

दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों पर उड़ानें प्रभावित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्सों में लगातार घने कोहरे का असर हवाई यातायात पर साफ तौर पर देखने को

मिल रहा है। इस बीच एयरलाइन इंडिगो ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। ट्रैवल एडवाइजरी में बताया गया है कि कोहरे के कारण कई हवाई अड्डों पर दृश्यता काफी कम हो गई है, जिससे उड़ानों की आवाजाही सामान्य से धीमी हो गई है। इसके चलते कुछ उड़ानों में देरी हो रही है। इस बात की जानकारी इंडिगो ने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट के जरिए दी।

एयरलाइन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि मौजूदा मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए उड़ानों के प्रस्थान और आगमन को क्रमबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है, ताकि संचालन व्यवस्थित और सुरक्षित बना रहे। इंडिगो की टीमें हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और कोहरे की स्थिति के अनुसार संचालन का प्रबंधन किया जा रहा है।

इंडिगो ने यात्रियों से अपील की है कि वे हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें। इसके लिए एयरलाइन ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर फ्लाइट स्टेटस चेक करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। साथ ही, कोहरे की वजह से सड़कों पर दृश्यता कम होने और ट्रैफिक प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यात्रियों को अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचने की सलाह दी गई है।एयरलाइन ने यात्रियों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि हवाई अड्डों पर उनकी टीमें पूरी तरह तैयार हैं और यात्रा के दौरान हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए मौजूद हैं, ताकि यात्रियों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।इंडिगो भारत की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली यात्री एयरलाइन है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइनों में शामिल है। इसके पास 400 से अधिक विमानों का आधुनिक बेड़ा है और यह रोजाना 2,200 से ज्यादा उड़ानों का संचालन करती है। इंडिगो भारत और विदेशों के कुल 130 से अधिक गंतव्यों को जोड़ती है, जिनमें 40 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्थान शामिल हैं।

सेना के जिस 'ध्रुव' में उड़ते हैं जवान, अब उसमें सफर करेगा आम इंसान; पहली टेस्टिंग सफल

बेंगलुरु (आरएनएस)। भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए मंगलवार का दिन एक बड़ी उपलब्धि और गर्व का पल लेकर आया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने अपने उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर 'ध्रुव-न्यू जनरेशन' (N G) की पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली। बेंगलुरु में हुई यह टेस्टिंग भारतीय एयरोस्पेस इंडस्ट्री के लिए एक मील का पत्थर मानी जा रही है। एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित ध्रुव-एनजी 5.5 टन वजनी, हल्का और ट्विन-इंजन वाला बहु-उद्देशीय हेलीकॉप्टर है।

यह उड़ान ध्रुव प्लेटफॉर्म को न केवल सैन्य बल्कि सिविल और निर्यात बाजारों में नई ताकत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसे भारतीय भौगोलिक परिस्थितियों, विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों और गर्म मौसम में उड़ान भरने की क्षमता को बरकरार रखते हुए अपग्रेड किया गया है। यह हेलीकॉप्टर मौजूदा ध्रुव प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन इसमें सुरक्षा, प्रदर्शन, उड़ान की सुगमता और यात्रियों के आराम पर खास ध्यान दिया गया है। ध्रुव-एनजी की असली ताकत इसका इंजन है। इसके केंद्र में दो 'शक्ति vHvC' इंजन लगे हैं, जो पूरी तरह स्वदेशी हैं। एचएएल के अनुसार, शक्ति इंजनों का इस्तेमाल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये इंजन ज्यादा पावर देते हैं और स्वदेशी होने के कारण देश के भीतर ही इनकी मेंटेनेंस और सपोर्ट की सुविधा मिलेगी, जिससे सिविल ऑपरेटरों के लिए लंबे समय तक चलने वाले खर्च में कमी आएगी।नई जनरेशन के इस हेलीकॉप्टर को आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है। इसमें सिविल सर्टिफाइड ग्लास कॉकपिट है जो एएस-4 मानकों पर खरा उतरता है। आधुनिक एवियोनिक्स और नेविगेशन सिस्टम पायलट को बेहतर स्थिति जागरूकता देते हैं और उनका काम आसान बनाते हैं। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इसमें क्रैशवर्थी सीटें (दुर्घटना सहने में सक्षम), सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक और ट्विन-इंजन सेटअप शामिल किया गया है।

अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ मुलाकात पर पीएम मोदी ने कहा- सार्थक संवाद हुआ

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ हुई मुलाकात पर कहा है कि संवाद सार्थक रहा है। 'आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक परिवर्तन- विकसित भारत का एजेंडा' विषय पर यह मुलाकात मंगलवार को हुई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मंगलवार को अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ एक बहुत सार्थक संवाद हुआ। उन्होंने 'आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक परिवर्तन: विकसित भारत के लिए कार्यसूची' विषय पर अपने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए।

बता दें कि मंगलवार सुबह नीति आयोग में पीएम मोदी ने प्रमुख अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के एक ग्रुप के साथ बातचीत की। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए साल 2047 तक भारत की यात्रा के मूल स्तंभों का उल्लेख किया।

उन्होंने 'विकसित भारत' को एक राष्ट्रीय आकांक्षा बताते हुए कहा कि साल 2047 तक एक विकसित भारत का सपना सरकारी नीति से परे जाकर एक वास्तविक जन आकांक्षा बन गया

है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव शिक्षा, उपभोग और वैश्विक गतिशीलता के बदलते स्वरूपों में स्पष्ट है, जिसके लिए तेजी से महत्वाकांक्षी होते समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्थागत क्षमता में वृद्धि और सक्रिय अवसंरचना नियोजन की आवश्यकता है।

पीएम मोदी ने वैश्विक क्षमता निर्माण और वैश्विक एकीकरण प्राप्त करने के लिए मिशन-आधारित सुधारों की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन-आधारित सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की नीति निर्माण और बजट निर्धारण वर्ष 2047 के दृष्टिकोण से जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की जरूरत के बारे में भी बात की कि देश वैश्विक कार्यबल और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना रहे। अर्थशास्त्रियों ने इस संवाद के दौरान, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण विचारों का आदान-प्रदान किया। चर्चा का मुख्य केंद्र घरेलू बचत में वृद्धि, मजबूत अवसंरचना विकास और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के माध्यम से संरचनात्मक परिवर्तन को गति देना था। समूह ने अंतर-क्षेत्रीय उत्पादकता को बढ़ावा देने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका का पता लगाया और भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के निरंतर विस्तार पर भी चर्चा की।प्रतिभागियों ने कहा कि साल 2025 में अभूतपूर्व अंतर-क्षेत्रीय सुधारों की गति और आने वाले साल में उनके और सुदृढ़ीकरण से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अपनी नींव को मजबूत करके व नए अवसरों को खोलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपना पथ प्रशस्त करता रहे।

नाभा जेल ब्रेक के बाद एक और बड़ा कांड, अब इस 'सबसे सुरक्षित' जेल से उम्रकैद की सजा काट रहे तीन कैदी फरार

हजारीबाग (आरएनएस)। झारखंड के हजारीबाग स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय जेल (जेपी कारा) से उम्रकैद के सजायाफ्ता तीन कैदियों के फरार होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस घटना ने झारखंड की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली

जेल की सुरक्षा व्यवस्था और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फरार तीनों कैदी धनबाद जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को नियमित गिनती के दौरान कैदियों को बैरक से बाहर निकाला गया था। इसी बीच तीनों कैदी अचानक गायब हो गए। शुरुआत में जेलकर्मियों को आशंका थी कि कैदी परिसर में ही कहीं मौजूद होंगे, जिसके बाद जेल के भीतर उनकी तलाश की गई। लेकिन काफी देर तक खोजबीन के बावजूद जब उनका कोई सुराग नहीं मिला, तब जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। इसके बाद मामले की सूचना वरीय अधिकारियों और पुलिस को दी गई।चौंकाने वाली बात यह है कि जेपी कारा को राज्य की सबसे सुरक्षित जेलों में गिना जाता है। यहां पांच स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और हर प्रवेश-निकास द्वार पर सशस्त्र सुरक्षाकर्मियों की तैनाती रहती है। ऐसे में इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच तीन उम्रकैद के कैदियों का फरार होना न सिर्फ लापरवाही की ओर इशारा करता है, बल्कि सुरक्षा तंत्र में गंभीर चूक को भी उजागर करता है।

अयोध्या राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ, अमित शाह और सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (आरएनएस)। अयोध्या के भव्य राम मंदिर की बुधवार को दूसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस खास मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश व प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, शुभ तिथि पर दो वर्ष पूर्व 500 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई और मोदी जी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की। प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।उन्होंने आगे लिखा, प्रभु श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रतीक यह मंदिर धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष, सांस्कृतिक स्वाभिमान के लिए त्याग व विरासतों के संरक्षण के लिए बलिदान की अप्रतिम प्रेरणा बना रहेगा। इस पवित्र अवसर पर श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के सभी बलिदानियों को नमन करता हूं।

लखनऊ में शहीद स्मारक से गांधी प्रतिमा तक आयोजित नशा मुक्ति रैली में लोगों ने हिस्सा लिया।

प्रेमानंद महाराज ने लोगों से नए साल में बुरे कर्म छोड़ने और अच्छे कर्म अपनाने को कहा

मथुरा (ए)। नए साल के पहले दिन लोगों की धार्मिक आस्था के साथ-साथ नए संकल्पों पर भी ध्यान जाता है। इस मौके पर वृंदावन के प्रसिद्ध धर्मगुरु प्रेमानंद महाराज जी ने नव वर्ष के मौके पर कुछ महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि नया साल केवल जश्न मनाने या पार्टियों का समय नहीं है, बल्कि यह अपने जीवन को सुधारने, बुरे कर्म छोड़ने और अच्छे कर्म अपनाने का मौका है।प्रेमानंद महाराज ने कहा कि शराब पीना, मांस खाना, हिंसा करना और व्यभिचार करने से जीवन में दुख और पाप बढ़ते हैं। कुछ लोग नए साल के उत्साह में इन चीजों का आनंद लेते हैं, लेकिन यह असली खुशी नहीं है। असली प्रसन्नता भगवान की भक्ति और अच्छे कर्मों से मिलती है। उन्होंने नए साल पर अपनाने योग्य कुछ महत्वपूर्ण नियम बताए। इसमें शराब और मांस का त्याग करना, क्रोध, चोरी और हिंसा से दूर रहना, नाम जप और भगवान की भक्ति करना, परोपकार और दान करना शामिल है।

दिल दहला देने वाली वारदात, गांव में हो रही थी अनहोनी घटनाएं ... टोना-टोटके के शक में पति-पत्नी को जिंदा जलाया

दिसपुर (आरएनएस)। असम के करबी आंगलोंग जिले से अंधविश्वास की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां डायन प्रथा से जुड़ी आशंकाओं के चलते एक दंपती की निर्मम हत्या कर दी गई। यह वारदात हावराघाट थाना क्षेत्र के नंबर 1 बेलोगुरी मुंडा गांव में मंगलवार रात हुई। पुलिस के मुताबिक, गांव के कुछ लोगों ने टोना-टोटका करने के शक में दंपती पर पहले उनके घर के अंदर धारदार हथियारों से हमला किया और फिर मकान में आग लगा दी। आग की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 43 वर्षीय गार्दी बिरोवा और 33 वर्षीय मीरा बिरोवा के रूप में हुई है।स्थानीय स्तर पर फैली अफवाहों के अनुसार, ग्रामीणों का मानना था कि दंपती जादू-टोना करते थे और इसी वजह से गांव व आसपास के इलाकों में अनहोनी घटनाएं हो रही थीं। इसी अंधविश्वास के चलते कुछ लोगों ने कानून को अपने हाथ में ले लिया और इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया।घटना की

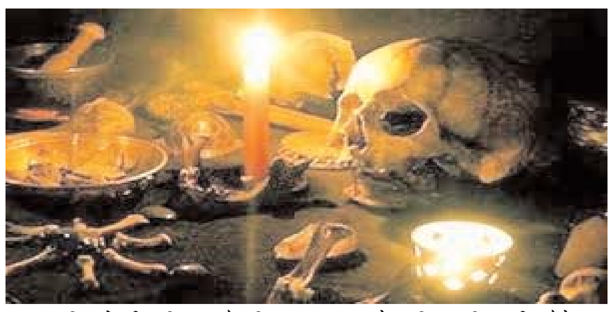

सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्रशासन का कहना है कि यह घटना दर्शाती है कि कुछ इलाकों में अब भी अंधविश्वास और अफवाहें गहराई से जड़ें जमाए हुए हैं। झूठी मान्यताओं के आधार पर लोग हिंसा पर उतर आते हैं, जिसका सबसे बड़ा नुकसान निर्दोषों को उठाना पड़ता है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी को डायन या चुड़ैल बताकर प्रताड़ित करना या उसकी हत्या करना गंभीर अपराध है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि असम में पहले भी डायन प्रथा से जुड़ी हिंसक घटनाएं सामने आती रही हैं। हालांकि राज्य सरकार ने इस कुप्रथा के खिलाफ सख्त कानून बना रखे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर जागरूकता की कमी अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और किसी भी संदेह या समस्या की सूचना सीधे पुलिस या संबंधित अधिकारियों को दें।

मां की आय अधिक होने पर भी पिता को करना होगा बच्चों का भरण-पोषण : दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि मां की आय पिता से अधिक है, तब भी पिता अपने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण माता और पिता दोनों की कानूनी, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है और किसी एक की अधिक कमाई से दूसरे की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि यदि मां बच्चों की कस्टडी में है और उसकी आय अधिक है, तो वह कमाने के साथ-साथ बच्चों की प्राथमिक देखभाल की दोहरी जिम्मेदारी निभा रही होती है। ऐसे में पिता अपनी आय छुपाकर या तकनीकी दलीलों के जरिए जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। अदालत ने यह भी कहा कि कानून किसी कामकाजी मां को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से इस हद तक थकाने की अनुमति नहीं देता कि पिता अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट जाए।

यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें एक व्यक्ति ने निचली अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। निचली अदालत ने दिसंबर 2023 में पति को अपने तीनों बच्चों के लिए हर महीने 30 हजार रुपये अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। सत्र अदालत ने भी इस आदेश को बरकरार रखा था। हाई कोर्ट ने भी पिता की याचिका खारिज करते हुए निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया।

याचिकाकर्ता पति ने दावा किया था कि उसकी मासिक आय केवल 9 हजार रुपये है, जबकि पत्नी 34,500 रुपये प्रति माह कमाती है। उसने तर्क दिया कि पत्नी की अधिक आय होने के कारण बच्चों का पूरा आर्थिक भार उस पर डालना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है और पत्नी पर कानून के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया।

वहीं, पत्नी ने अदालत में कहा कि बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, देखभाल और रोजमर्रा की जरूरतों की पूरी जिम्मेदारी उसी पर है। उसने दलील दी कि बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पिता से कभी समाप्त नहीं हो सकती, चाहे मां की आय कितनी भी क्यों न हो। अदालत ने पत्नी के तर्कों से सहमति जताते हुए कहा कि उसका रुख निर्भरता का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का भाव दर्शाता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पिता को अपने बच्चों के प्रति कर्तव्य का एहसास कराना पत्नी का अधिकार है।अदालत ने इस फैसले के जरिए साफ संदेश दिया कि बच्चों की परवरिश माता-पिता दोनों की साझा जिम्मेदारी है और कोई भी पक्ष एकतरफा रूप से इससे बच नहीं सकता।

जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट का रातभर इंतजार करते रहे पैसेंजर, कई लेट तो कई रद्द

जयपुर,(ए)। जयपुर एयरपोर्ट पर कल से आज तक पैसेंजर्स को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। किसी फ्लाइट में घंटों की देरी हुई, तो कई उड़ानें ऐन वक्त पर कैंसिल हो गईं। उत्तर भारत में खराब मौसम और घने कोहरे का असर जयपुर एयरपोर्ट पर भी देखने को मिला। बुधवार सुबह जयपुर से संचालित होने वाली दो फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा। इंडिगो की चंडीगढ़ जाने वाली फ्लाइट, जो सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर जयपुर से रवाना होती है, चंडीगढ़ में कोहरे के चलते रद्द कर दी गई। वहीं, एयर इंडिया की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट जो सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरती है, दिल्ली में खराब विजिबिलिटी के कारण रद्द कर दी गई। फ्लाइट्स के आखिरी वक्त पर रद्द होने से पैसेंजर्स को वैकल्पिक इंतजाम करने में काफी परेशानी हुई। हालांकि एयरलाइन कंपनी द्वारा पैसेंजर्स को रिफंड की व्यवस्था की गई। मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट में पैसेंजर्स को रातभर एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा, जबकि दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली बुधवार सुबह की फ्लाइट्स को कोहरे के चलते कैंसिल कर दिया। इसके अलावा एक इंटरनेशनल फ्लाइट को भी जयपुर डायवर्ट करना पड़ा।

"गरीबों से भोजन छीनने" केंद्र सरकार ने वीबी-जी राम जी कानून पास किया

-पंजाब के सीएम मान बोले- इस अधिनियम ने मनरेगा की आत्मा को नष्ट कर दिया

चंडीगढ़,(ए)। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने गरीबों से भोजन छीनने के लिए वीबी-जी राम जी कानून पास किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार वंचित लोगों के अधिकारों पर डाका नहीं डालने देगी। सीएम मान ने नए 'विकसित भारत-रोजगार गारंटी आजीविका मिशन-ग्रामीण' (वीबी-जी राम जी) विधेयक को 14 घंटे में संसद में पारित कराने की कोशिशों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस अधिनियम ने मनरेगा की आत्मा को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र में पारित वीबी-जी राम जी अधिनियम का विरोध करने के लिए मंगलवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया था। वीबी-जी राम जी अधिनियम ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कार्यकाल में पारित किए गए मनरेगा की जगह ली है। मान ने सत्र में कहा कि नए अधिनियम का उद्देश्य दलितों, महिलाओं और सबसे गरीब परिवारों से भोजन, रोजगार व सम्मान छीनना है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने सावधानीपूर्वक तैयार किया था। यह सालों की चर्चा के बाद पेश किया गया था। वहीं, वीबी-जी राम जी अधिनियम को संसद में कुछ ही घंटों में पारित कर दिया गया। उन्होंने केंद्र सरकार को जनविरोधी नीतियों को अपनाने के प्रति आगाह किया और कहा कि ऐसा करने पर पंजाब के लोग केंद्रीय नेताओं को उनके गांवों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि हम किसी भी हद तक संघर्ष करेंगे। हम गरीबों के अधिकारों पर डाका डाले जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

शिमला वाली ठंड नगरी में अलाव ही सहारा

नगरी, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मध्य हिस्से में स्थित नगरी -सिहावा में कड़ाके की ठंड इन दिनो पड़ रहा है। इनका असर नगरी नगर पंचायत क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। रात्रि का तापमान न्यूनतम तापमान 10 -11 डिग्री तक पहुंच गये है।इन शीतलहर से बचने हेतु यहां के आम जनता नागरिक गण अलाव का सहारा लेते हुए। दिन में ठंड से थोड़ी राहत है। ठंड से बचने अलाव का सहारा लेते हुए कौशल प्रसाद साहू,डी एस ध्रुव, दीपक कुमार साहू, ईश्वरी ध्रुव, पार्वती बाई साहू,हिमेन्द्र कोसरिया,ममता कोसरिया, नागेंद्र साहू,टीया साहू व पोडीडिह से आए हुए अन्य अतिथिगण। प्रकृति ने नव वर्ष का स्वागत शीतलहर से कर रहे है।

बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन और फिटनेस की प्रेरणा गुरलीन चोपड़ा, निभा रहीं डबल रोल

फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने एक्टिंग के साथ ही अपनी फिटनेस और हेल्थ की दुनिया में भी कदम रखा है। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं गुरलीन चोपड़ा, जिनका नाम फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ फिटनेस के क्षेत्र में भी जाना जाता है। गुरलीन की कहानी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने सही जीवनशैली और फिटनेस के महत्व पर भी जोर दिया है। गुरलीन चोपड़ा का जन्म पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में हुआ। उन्होंने मिस चंडीगढ़ का खिताब जीता। यह उनके लिए करियर की दिशा बदलने वाला पल साबित हुआ। दोस्तों के सुझाव की वजह से उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो और विज्ञापनों में काम किया, यहां से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का मौका मिला।

गुरलीन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म इंडियन बाबू से की। इसके बाद उनकी अगली फिल्म कुछ तो गड़बड़ है आई, जिसमें उन्होंने एक अनाथ लड़की का किरदार निभाया। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी अपने पैर जमाए। तेलुगु फिल्म आयुधम उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल है। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी अभिनय किया। कन्नड़ फिल्म मनमथा में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने बहुत सराहा।

गुरलीन का करियर सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपनी फिटनेस और हेल्थ के प्रति लगाव को बिजनेस में बदल दिया। इसके तहत, उन्होंने लोगों को सही डाइट, योग और व्यायाम के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

उन्होंने डायबिटीज, हार्मोनल अनबैलेंस और थॉयराइड जैसी समस्याओं में प्राकृतिक और हेल्दी उपाय अपनाने की प्रेरणा दी। गुरलीन ने दुनिया भर में लाखों लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद की है।

गुरलीन ने अपने करियर में डबल रोल, एक्ट्रेस और फिटनेस कोच, की भूमिका निभाई, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है।

चिरंजीवी और वेंकटेश अभिनीत फिल्म मन शंकर वरप्रसाद गारु का मेगा विक्ट्री मास सॉन्ग हुआ रिलीज़

मेगा स्टार चिरंजीवी अपनी आने वाली फिल्म माना शंकरा वरा प्रसाद गारू से फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। यह फिल्म संक्रांति फेस्टिवल पर 12 जनवरी 2026 को रिलीज़ होने वाली है।फिल्म बनाने वालों ने आज, नए साल से पहले, चिरंजीवी और वेंकटेश पर फिल्माया गया बहुप्रतीक्षित गाना रिलीज़ किया, जिसे कुछ मिनट पहले ही मेगा विक्ट्री मास सॉन्ग के तौर पर प्रमोट किया गया है। इस गाने में चिरंजीवी और वेंकटेश अपने पुराने अंदाज़ में भीम्स सेसिरोलियो के मास बीट्स पर डांस करते नज़र आए।कसरला श्याम ने ऐसे बोल लिखे हैं जो जोशीले हैं और विशाल ददलानी और नकाश अज़ीज़ ने पूरे जोश और एनर्जी के साथ गाना गाया है। विनय पोलंकी ने गाने के लिए मास मूव्स कोरियोग्राफ किए, जिसे शानदार ढंग से बनाए गए सेट्स के बैकग्राउंड में शूट किया गया था। नयनतारा फिल्म में फीमेल लीड हैं, जिसमें कैथरीन ट्रेसा, सुनील, वीटीवी गणेश, रेवंत, हर्षा वर्धन, सचिन खेडेकर, अभिनव गोमातम अहम भूमिकाओं में हैं।

बॉक्स ऑफिस पर पठान के बाद धुरंधर की नजर आरआरआर के रिकॉर्ड के पर, पहुंची 750 करोड़ी क्लब के करीब

धुरंधर चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गई है. शानदार वीकेंड के बाद चौथे सोमवार (29 दिसंबर) को कलेक्शन में गिरावट दर्ज किया गया. इसके बावजूद सिनेमाघरों में रणवीर सिंह का जादू जारी रहा. फिल्म ने भारत में 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर इतिहास रच दिया है, जिसने छावा, कांतारा 2 और सैयारा जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है.

रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर को पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. ओपनिंग डे के बाद से फिल्म की रफ्तार धीमी होने का नाम ही नहीं ले रही है. फिल्म को रिलीज हुए 25 दिन हो गए हैं. 25वें दिन भी इसने डबल डिजिट में कमाई की है, जो वाकई कमाल है.धुरंधर के मेकर्स ने फिल्म के 25वें दिन के कलेक्शन रिपोर्ट जारी किया है. फिल्म ने अपने चौथे सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर 11.20 करोड़ रुपये कमाए, जिससे 25 दिनों का कुल कलेक्शन 741.90 करोड़ रुपये हो गया है.रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म ना सिर्फ वर्ल्डवाइड लेवल पर धमाल मचा रही है. यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में ऊपर की ओर बढ़ती जा रही है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसे अभी आरआरआर (782.2 करोड़ रुपये), पुष्पा 2: द रूल (1234.1 करोड़ रुपये), केजीएफ: चैप्टर 2 (859.7 करोड़ रुपये), बाहुबली 2: द कन्क्लूजन (1,030.42 करोड़ रुपये) जैसी बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ना बाकी है.

धुरंधर अब पैन इंडिया फिल्मों से मुकाबला कर रही है. फिल्म का अगला लक्ष्य आरआरआर को पछाड़ना है. सैकनिल्क के मुताबिक, एसएस राजामौली की निर्देशित और राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत आरआरआर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 782.2 करोड़ रुपये कमाए थे.

वहीं, धुरंधर ने वर्ल्डवाइड लेवल पर शाहरुख खान की फिल्म पठान (1048 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है. रणवीर सिहं की फिल्म ने दुनियाभर में 1100.23 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. इसी के साथ दंगल (2000 करोड़ रुपये से ज्यादा) और जवान (1148 करोड़ रुपये) के बाद धुरंधर वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी बॉलीवुड फिल्म बन गई है.बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर का मुकाबला नई फिल्मों से हो रही है.

रणवीर सिंह के पीछे हटते ही ऋतिक रोशन को मिली डॉन 3 बाहर आई ये जानकारी

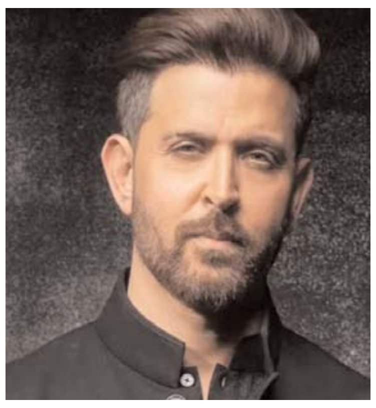

फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 ईद का चांद बन चुकी है जिसका इंतजार बढ़ता जा रहा है। धुरंधर की रिलीज के बाद उम्मीद थी कि रणवीर सिंह इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। हालांकि, लोगों की उम्मीदों को तोड़ते हुए उन्होंने डॉन 3 से किनारा कर लिया। उनके बाहर होने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा है कि डॉन का किरदार, ऋतिक रोशन निभा सकते हैं। जानिए क्या वाकई ऋतिक ने डॉन 3 के लिए हामी भर दी है। डॉन 3 के निर्माता, ऋतिक को फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनाने पर विचार कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, रणवीर के जाने के बाद, ऋतिक इस भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में सामने आए हैं। हालांकि बातचीत शुरुआती दौर में है, लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि अभिनेता इस प्रोजेक्ट से जुड़ते हैं या नहीं। जाहिर है कि शाहरुख खान की डॉन 2 में ऋतिक ने दमदार कैमियो किया था।सूत्र ने बताया कि निर्माताओं को डॉन 3 से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। उन्हें बखूबी पता है कि फिल्म के लिए ऐसे चेहरे की जरूरत है, जिसका शानदार करियर रहा हो। जो भी यह जिम्मेदारी संभालेगा, उसे अमिताभ बच्चन (डॉन, 1978) की विरासत को आगे ले जाना होगा। शाहरुख की विरासत को भी, जिन्होंने 2006 और 2011 में फिल्म के किरदार को नए सिरे से पेश किया।

किक 2 पर आ गया सबसे बड़ा अपडेट, झूम उठेंगे सलमान खान के चाहने वाले

सलमान खान को आखिरी बार सिकंदर में देखा गया था, जिसे लोगों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। सुपरस्टार आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवान में व्यस्त चल रहे हैं जिसे 2026 में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, सलमान किक 2 पर भी काम शुरू कर चुके हैं। इस बात की पुष्टि उन्होंने खुद बिग बॉस 19 में की थी। अब इस सीक्वल से जुड़ा बड़ा अपडेट आ रहा है जिसे जानने के बाद, प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला किक 2 के ऐलान की योजना बना रहे हैं।

बिग बॉस की स्टार दिवी वधत्या की पैन इंडिया फिल्म कर्मास्तलम का शानदार फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

समरदनी फिल्म्स और रॉय फिल्म्स के बैनर तले भव्य पैमाने पर निर्मित, कर्मस्थलम का निर्देशन रॉकी शेरमन ने किया है और हर्षा वर्धन शिंदे इसके निर्माता हैं। फिल्म में बिग बॉस फेम दिवी वधत्या एक दमदार केंद्रीय भूमिका में हैं। फिल्म का आकर्षक फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है।पहले लुक वाले पोस्टर में दिवी को धधकती लपटों और युद्ध में उलझे सैनिकों से घिरे युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है, जिसमें हर छोटी से छोटी डिटेल एक भव्य युद्ध गाथा का एहसास दिलाती है। फिल्म निर्माताओं का कहना है कि फिल्म के शानदार दृश्य, प्रभावशाली बैकग्राउंड स्कोर और बारीक कला डिजाइन कर्मस्थलम की प्रमुख विशेषताएं होंगी।कर्मास्तलम को एक पैन इंडिया एक्शन फ़ालतूगांजा के रूप में बनाया जा रहा है

एंड्रिया जेरेमिया ने पिसाची 2 में इरोटिक सीन्स की पुष्टि की, न्यूडिटी की अफवाहों पर सफाई दी

तमिल एक्ट्रेस और सिंगर एंड्रिया जेरेमिया ने मैस्किन द्वारा डायरेक्टेड अपकमिंग हॉरर फिल्म पिशाची 2 में न्यूड कंटेंट को लेकर चल रही अफवाहों पर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, एंड्रिया ने साफ किया कि फिल्म में कोई न्यूडिटी नहीं है, लेकिन इसमें कई इरोटिक सीन ज़रूर हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में न्यूडिटी स्क्रिप्ट का हिस्सा थी, लेकिन मैस्किन ने शूटिंग के दौरान उन हिस्सों को हटाने का फैसला किया।

एंड्रिया ने मिस्किन के विज़न और इरादों की तारीफ़ करते हुए कहा कि वह यह फ़िल्म सिर्फ़ गुज़ारा करने के लिए नहीं बना रहे हैं, क्योंकि उन्होंने पहले बड़े हीरो के साथ काम किया है। उन्होंने डायरेक्टर के फ़ैसलों पर भरोसा जताया, यहाँ तक कि जब उनसे भड़काऊ कंटेंट की मांग की गई, जैसे कि अपनी स्कर्ट नीचे करने के लिए कहा गया। इस फ़िल्म में टैलेंटेड कलाकार हैं, जिनमें मक्कल सेल्वन विजय सेतुपति कैमियो रोल में, पूर्णा और संतोष प्रताप अहम भूमिकाओं में शामिल हैं।

रॉकफोर्ट एंटरटेनमेंट के तहत टी मुरुगनंथम द्वारा प्रोड्यूस की गई पिशाची 2 को फाइनेंशियल दिक्कतों के कारण देरी का सामना करना पड़ा है। फिल्म का म्यूज़िक कार्तिक राजा ने कंपोज़ किया है, और टॉलीवुड प्रोड्यूसर दिल राजू ने तेलुगु राज्यों में इसके थिएट्रिकल राइट्स खरीद लिए हैं। अफवाहों के बावजूद, एंड्रिया इस प्रोजेक्ट को लेकर कॉन्फिडेंट हैं, और फैंस इसकी रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। मिस्किन की पिशाची 2 अपने इरोटिक सीन्स और इंटेंस कहानी के मेल के साथ एक रोमांचक हॉरर अनुभव देने का वादा करती है। अपनी टैलेंटेड कास्ट और क्रू के साथ, फिल्म से एक अनोखा सिनेमैटिक अनुभव देने की उम्मीद है। जैसे-जैसे रिलीज़ डेट पास आ रही है, और भी अपडेट आने की उम्मीद है, जिससे फैंस उत्साहित और जुड़े रहेंगे।

आंखों को आकर्षक बनाने के लिए आजमाएं ये 5 मेकअप ट्रिक्स

आंखें चेहरे की सबसे अहम विशेषताओं में से एक हैं और इन्हें सही ढंग से सजाने के लिए मेकअप भी अहम भूमिका निभाता है। हालांकि, अगर आप मेकअप में नई हैं तो आपके लिए यह समझना जरूरी है कि आंखों को कैसे सजाया जाए। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी जरूरी बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखकर आप अपनी आंखों को आसानी से आकर्षक बना सकती हैं।

आंखों की क्रीम का करें इस्तेमाल

अगर आप अपनी आंखों को सही ढंग से सजाना चाहती हैं तो सबसे पहले आंखों की क्रीम का उपयोग करें। यह आंखों के आसपास की त्वचा को नमी देती है और मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करती है। इसके लिए सबसे पहले अपनी उंगलियों से हल्के हाथों से क्रीम को आंखों के नीचे और ऊपर लगाएं। इससे आपकी आंखें ताजगी भरी और चमकीली दिखेंगी, जिससे आपका पूरा लुक निखर उठेगा।

आईलाइनर लगाना सीखें

आईलाइनर आपकी आंखों को गहरा और निखारता है। अगर आप आईलाइनर लगाने में नई हैं तो पेंसिल आईलाइनर का उपयोग करें क्योंकि इसे लगाना आसान होता है। सबसे पहले आंखों की पलक पर हल्के हाथ से लाइन बनाएं, फिर उसे धीरे-धीरे फैलाएं ताकि एक समान दिखे। ध्यान रखें कि लाइन पतली हो ताकि आपकी आंखें बड़ी और खूबसूरत दिखें। अगर आप चाहें तो इसे थोड़ा धुंधला कर सकती हैं ताकि लुक और भी प्राकृतिक लगे।

मस्कारा लगाना न भूलें

मस्कारा आपकी पलकें लंबी और घनी दिखाने में मदद करता है। इसे लगाने के लिए सबसे पहले मस्कारा ब्रश को जड़ से लेकर सिरे तक हल्के हाथों से घुमाते हुए लगाएं। इससे आपकी पलकें घनी और लंबी दिखेंगी। अगर आप चाहें तो दूसरी परत भी लगा सकती हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ज्यादा भारी न दिखे। इसके बाद नीचे की पलक पर भी हल्के हाथों से मस्कारा लगाएं ताकि आपका लुक पूरा और संतुलित लगे।

आईशैडो का सही चयन करें

आईशैडो आपकी आंखों को गहराई और आयाम देता है। शुरुआत करने वालों के लिए हल्के रंग जैसे बेज या भूरे सबसे अच्छे होते हैं क्योंकि ये हर त्वचा के रंग पर अच्छे लगते हैं और इसे मिलाना भी आसान होता है। आईशैडो को आंखों की पलक पर हल्के हाथों से लगाएं और इसे अच्छे से मिलाएं ताकि कोई सख्त रेखा न दिखे। इससे आपकी आंखें प्राकृतिक रूप से निखरेंगी और आपका लुक संतुलित रहेगा।

आइब्रो को ठीक से सेट करें

आंखों के मेकअप में आइब्रो भी अहम भूमिका निभाती हैं। अगर आपकी आइब्रो अच्छी तरह सेट होंगी तो आपकी आंखें बेहतर दिखेंगी। इसके लिए सबसे पहले अपनी आइब्रो की प्राकृतिक रेखा का पालन करें और हल्के हाथों से भौहों की पेंसिल या पाउडर लगाएं। इसके बाद एक ब्रश की मदद से इसे अच्छे से मिलाएं ताकि कोई सख्त रेखा न दिखे। इस तरह आप आसानी से अपनी आंखों को आकर्षक बना सकती हैं।

लिपस्टिक लगाते समय न करें ये 5 गलतियां, बिगड़ सकता है पूरा लुक

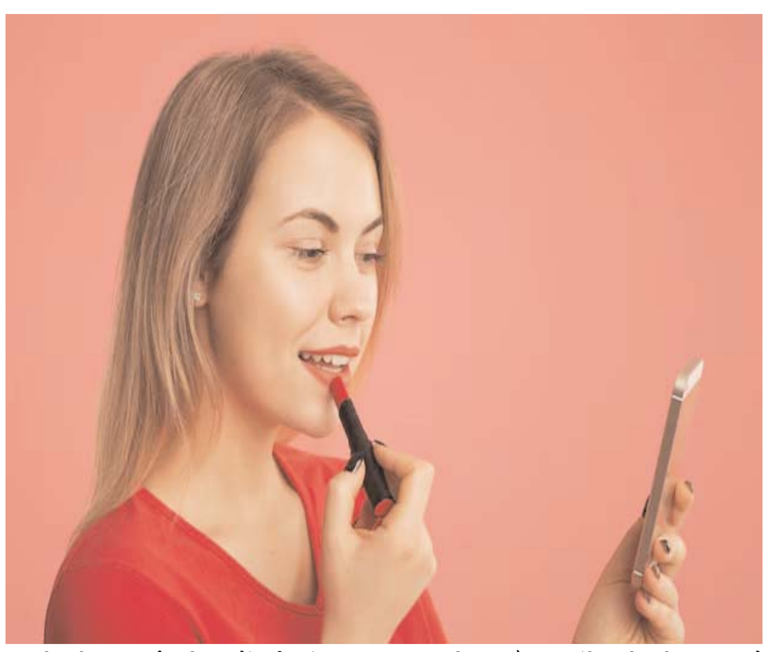

लिपस्टिक कई महिलाओं की सुंदरता का अहम हिस्सा है। हालांकि, लिपस्टिक लगाते समय कई महिलाएं कुछ ऐसी गलतियां कर बैठती हैं, जो उनके लुक को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों के कारण लिपस्टिक शेड सही तरह से नहीं बैठता या फिर लंबे समय तक नहीं टिकता। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें लिपस्टिक लगाते समय करने से बचना चाहिए ताकि आपका लुक हमेशा बेहतरीन रहे।

होंठों को साफ न करना

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों की सफाई करना बहुत जरूरी है। अगर आप यह कदम छोड़ देती हैं तो आपका लुक बिगड़ सकता है। सफाई से सूखी त्वचा हटती है, जिससे होंठ चिकने और मुलायम बनते हैं। इसके बाद लिपस्टिक शेड होंठों पर सही तरह से बैठता है और लंबे समय तक टिका रहता है। सफाई से लिपस्टिक का लुक भी बेहतर होता है और आपके होंठों की सुंदरता उभरकर आती है।

बेस न लगाना

बेस का उपयोग करने से आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है। अगर आप बेस का उपयोग नहीं करती हैं तो आपकी लिपस्टिक जल्दी धुंधली हो सकती है और आपको बार-बार इसे ठीक करने की जरूरत पड़ सकती है। बेस लगाने से आपके होंठों की बनावट समान होती है और लिपस्टिक शेड सही तरह से बैठता है। इससे आपका लुक भी बेहतरीन दिखता है और लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है।

सही शेड का चयन न करना

लिपस्टिक खरीदते समय सही शेड का चयन करना बहुत जरूरी है। कई महिलाएं दुकानदार की सलाह पर बिना सोचे-समझे कोई भी शेड चुन लेती हैं, जो उनके चेहरे पर अच्छा नहीं लगता। हमेशा अपनी त्वचा के रंग और चेहरे की बनावट को ध्यान में रखकर ही लिपस्टिक शेड चुनें। इससे आपका लुक बेहतरीन दिखेगा और आप हमेशा खूबसूरत लगेंगी। सही शेड चुनने से आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है और आपका चेहरा निखरा हुआ दिखता है।

होंठों की सीमा का ध्यान न रखना

अगर आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक पूरे दिन सही रहे तो इसके लिए होंठों की सीमा का ध्यान जरूर रखें। यह आपकी लिपस्टिक को फैलने से रोकता है और आपके होंठों को एक साफ और सुंदर लुक देता है। इसके अलावा इससे आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है और आपको बार-बार इसे ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे आपके होंठों की बनावट समान होती है और लिपस्टिक शेड सही तरह से बैठता है।

ज्यादा मात्रा में लिपस्टिक लगाना

ज्यादा मात्रा में लिपस्टिक लगाने से आपका लुक ज्यादा बनावटी लग सकता है इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही लिपस्टिक लगाएं। इससे आपका लुक सुंदर और आकर्षक दिखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद अपने होंठों की बनावट को ध्यान में रखते हुए हल्का सा दबाएं ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए और लिपस्टिक सेट हो जाए। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपनी लिपस्टिक को बेहतरीन बना सकती हैं और हमेशा खूबसूरत दिख सकती हैं।

इमरान खान की बहन अलीमा को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जेल के बाहर समर्थकों के साथ दे रहीं थीं धरना

इस्लामाबाद (आरएनएस)। इस्लामाबाद में पाकिस्तान की राजनीति एक बार फिर उबाल पर है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की मांग को लेकर अडियाला जेल के बाहर धरना दे रहीं उनकी बहनों और समर्थकों पर देर रात कार्रवाई की गई। इस दौरान इमरान खान की बहन अलीमा खान को हिरासत में लिया गया, जबकि अन्य समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया गया। कड़ाके की सर्दी में हुई इस कार्रवाई से माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

जानकारी के अनुसार अदालत ने आदेश दिया था कि हर मंगलवार को इमरान खान के परिजन उनसे मुलाकात कर सकते हैं। इसी आदेश के तहत उनकी बहनें अडियाला जेल पहुंची थीं। जब प्रशासन की ओर से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई तो उन्होंने वहीं धरना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए कार्रवाई की, जिसमें अलीमा खान को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल गिरफ्तारी की तस्वीरें केवल अलीमा खान की ही सामने आई हैं।

गिरफ्तारी के समय अलीमा खान ने सैन्य नेतृत्व और मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश के नागरिक होने के नाते उनका वहां मौजूद रहना उनका अधिकार है और जनता को उसके हक से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि आम लोगों के पास न तो अदालतों का सहारा बचा है और न ही कानून पर भरोसा। अलीमा खान ने दावा किया कि अगर हालात नहीं बदले तो लोग खुद सड़कों पर उतरकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे।

इमरान खान की बहनों के साथ-साथ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी जेल के बाहर मौजूद थे। इस दौरान समर्थकों ने सरकार और सेना के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि जिस तरह इमरान खान जेल के भीतर डटे हुए हैं, उसी तरह वे भी उनके परिवार के साथ बाहर खड़े रहेंगे और संघर्ष जारी रखेंगे।

संयुक्त राष्ट्र ने पेश किया अफगानिस्तान रिस्पांस प्लान; 2026 में भी जारी रहेगा बड़ा मानवीय संकट

संयुक्त राष्ट्र, (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र का मानवीय मामलों के समन्वय का कार्यालय (ओसीएचए) ने मंगलवार को अफगानिस्तान के लिए वर्ष 2026 की मानवीय जरूरत और सहायता योजना पेश की है। इस योजना के तहत 1.71 बिलियन डॉलर की सहायता का प्रस्ताव रखा गया है। ओसीएचए के अनुसार, आने वाले साल में भी अफगानिस्तान दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकटों में शामिल रहेगा।

ओसीएचए ने बताया कि वर्ष 2026 में करीब 21.9 मिलियन लोगों को मानवीय मदद की जरूरत होगी। यह संख्या वर्ष 2025 के मुकाबले लगभग 4 प्रतिशत कम है। इसके साथ ही 17.4 मिलियन लोगों के गंभीर खाद्य संकट का सामना करने की आशंका है, जिनमें 47 लाख लोग आपात स्थिति वाले स्तर पर होंगे। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कार्यालय के मुताबिक संयुक्त राष्ट से जुड़े मानवीय सहयोगी वर्ष 2026 में 17.5 मिलियन लोगों को प्राथमिकता के आधार पर मदद पहुंचाएंगे। यह कुल जरूरतमंद लोगों का करीब 80 प्रतिशत है। इस समन्वित अभियान पर लगभग 1.71 बिलियन डॉलर खर्च किए जाएंगे। सहायता में भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण, स्वच्छ पानी, साफ-सफाई और नकद सहायता शामिल होगी।

पीएम मोदी का संदेश लेकर ढाका पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर, खालिदा जिया के बेटे को सौंपी चिट्ठी

ढाका(आरएनएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज नेता बेगम खालिदा जिया के निधन पर भारत ने गहरा दुख व्यक्त किया है। इस दुख की घड़ी में भारत की संवेदनाएं प्रकट करने के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर बुधवार को विशेष विमान से ढाका पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजा गया शोक संदेश और भारत सरकार व भारतीय जनता की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी का संदेश लेकर पहुंचे जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे ढाका एयरपोर्ट पहुंचे, जहां बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने उनका स्वागत किया। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि एस. जयशंकर ने पीएम मोदी का शोक संदेश खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान को दिया। उन्होंने संदेश दिया कि भारत इस कठिन समय में बांग्लादेश के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। जयशंकर ने खालिदा जिया के लंबे राजनीतिक जीवन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में उनके योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया।

मंगलवार को ली थी अंतिम सांस

गौरतलब है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) की चेयरपर्सन और तीन बार देश की प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया का मंगलवार को ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वह 80 वर्ष की थीं। उनके निधन की खबर से बांग्लादेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। खालिदा जिया का चार दशकों से भी लंबा राजनीतिक सफर संघर्षों और उपलब्धियों से भरा रहा। उनका राजनीति में प्रवेश एक संयोग ही था। 30 मई 1981 को एक असफल सैन्य तख्तापलट में उनके पति और तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान की हत्या कर दी गई थी। उस वक्त महज 35 साल की उम्र में उन्होंने घर की दहलीज पार कर राजनीति में कदम रखा। परिस्थितियों ने उन्हें सियासत में ला खड़ा किया, लेकिन उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की और लगभग एक दशक के संघर्ष के बाद वह बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। हालांकि, बाद के वर्षों में उनका नाम भ्रष्टाचार के आरोपों और विवादों से भी जुड़ा रहा, लेकिन बांग्लादेश की राजनीति में उनका प्रभाव अंत तक कायम रहा।

पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले का सबूत आया सामने! रक्षा मंत्रालय ने जारी किया फुटेज

मास्को (आरएनएस)। कीव के 91 ड्रोन हमलों का कथित सबूत रूस ने बुधवार को पेश किया है। फुटेज जारी कर रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति वोलोदिमीर पुतिन के आवास पर एक साथ कई दिशाओं से हमले का

प्रयास किया था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ब्रायन्स्क, स्मोलेंस्क और नोवगोरोड क्षेत्रों में 91 ड्रोन मार गिराए गए। यह हमला लक्षित, सुनियोजित और चरणबद्ध तरीके से किया गया था। हालांकि इससे आवास को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी फुटेज में बर्फ में पड़े काले ड्रोन का मलबा, उनके लकड़ी के हिस्से और लाल तारों को देखा जा सकता है। दावा किया गया है कि इसमें 6 किलोग्राम विस्फोटक लदा हुआ था। रूस ने दावा किया था कि 28-29 दिसंबर की मध्य रात्रि को कीव ने राष्ट्रपति के राजकीय आवास पर 91 ड्रोन भेजे थे, जिसे रूस ने मार गिराया था। विदेश मंत्री लावरोव ने पुष्टि करते हुए एक संदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति के राजकीय आवास पर हमला करने के लिए भेजे गए सभी 91 लंबी दूरी के ड्रोन को एयर डिफेंस ने मार गिराया।

पेरू में एक ही ट्रैक पर आमने-सामने टकराई ट्रेनें, ड्रायवर की मौत, 40 यात्री घायल

पेरू,(ए)। दक्षिण अमेरिका के देश पेरू के मशहूर इंका स्थल माचू पिचू जाने वाले रेलवे ट्रैक पर दो ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे में एक ट्रेन ड्राइवर की मौत हो गई और 40 यात्री घायल हुए हैं। इंका रेल और पेरू रेल द्वारा संचालित ये ट्रेनें मुख्य रूप से पर्यटकों को ऐतिहासिक स्थल तक ले जा रही थीं। पुलिस इस गंभीर घटना की जांच कर रही है, यह हादसा मंगलवार को हुआ।स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक घायलों में से 20 लोगों की स्थिति गंभीर है। पुलिस ने बताया है कि घायलों में विदेशी पर्यटक भी हैं। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में हादसे की भयावहता साफ नजर आ रही है। टक्कर के बाद ट्रैक पर दोनों इंजन एक-दूसरे के सामने बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में खड़े दिखे। चारों तरफ कांच के टुकड़े बिखरे थे और घायल लोग ट्रैक के किनारे पड़े थे। माचू पिचू पेरू का सबसे बड़ा पर्यटन स्थल है, जहां हर साल 10 लाख से ज्यादा सैलानी आते हैं।स्वास्थ्य विभाग की टीमें घायलों की मदद कर रही हैं और गंभीर रूप से चोटिल लोगों को उचित इलाज दिया जा रहा है। पेरू पुलिस इस बात की गहराई से छानबीन कर रही है कि एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनें आमने-सामने कैसे आ गईं। यह मार्ग दुनिया भर के पर्यटकों के लिए बेहद लोकप्रिय है, इसलिए विदेशी यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है।

फिल्मी अंदाज में डकैती: पार्किंग से सुरंग खोदकर उड़ाए 300 करोड़ के अलावा आभूषण और नकदी

बर्लिन,(ए.)। फिल्मों में बैंक डकैती के दृश्य अक्सर दर्शकों को रोमांचित करते हैं। जॉर्ज क्लूनी की ओशन्स इलेवन हो या भारतीय सिनेमा की धूम-3, पर्दे पर शातिर चोरों को सुरक्षा घेरा तोड़ते देखना तालियों की गड़गड़ाहट पैदा करता है। लेकिन जब ऐसी घटना हकीकत में होती है, तो यह हजारों परिवारों की उम्र भर की कमाई पर वज्रपात जैसा होता है। हाल ही में जर्मनी में एक ऐसी ही सनसनीखेज डकैती हुई है, जिसने हॉलीवुड की बड़ी से बड़ी थ्रिलर फिल्म को पीछे छोड़ दिया है। शातिर चोरों ने एक बैंक के भीतर घुसकर छुट्टी वाले दिन का फायदा उठाया और अंडरग्राउंड वॉल्ट में ड्रिल करके लगभग 316 करोड़ रुपये (30 मिलियन यूरो) से अधिक की नकदी, सोना और बेशकीमती ज्वेलरी पर हाथ साफ कर दिया।यह मामला पश्चिमी जर्मनी के गेल्सेंकिर्चेन शहर का है। यहाँ के स्पार्कस बैंक की एक शाखा में चोरों ने सुरक्षा के तमाम दावों को धता बताते हुए इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, लुटेरों ने अत्यंत पेशेवर और फिल्मी तरीका अपनाया। जांचकर्ताओं का मानना है कि संदिग्ध चोर बैंक के पास स्थित एक पार्किंग गैराज के रास्ते अंदर दाखिल हुए। उन्होंने वहां से बैंक के अंडरग्राउंड वॉल्ट रूम (तिजोरी कक्ष) तक पहुंचने के लिए कंक्रीट की दीवारों में ड्रिलिंग की। माना जा रहा है कि इस गिरोह ने शनिवार और रविवार का पूरा समय बैंक के भीतर ही बिताया और बहुत ही इत्मीनान से 3,000 से अधिक सुरक्षित जमा बक्सों (सेफ डिपॉजिट बॉक्स) को खंगाला।इस बड़ी चोरी का खुलासा सोमवार सुबह तब हुआ जब बैंक के भीतर फायर अलार्म बज उठा। सूचना मिलते ही जब इमरजेंसी सेवाएं और पुलिस मौके पर पहुंची, तो वॉल्ट रूम का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। वहां एक बड़ा छेद मिला और हजारों लॉकर टूटे हुए पड़े थे। जांच के दौरान चश्मदीदों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच पार्किंग गैराज की सीढ़ियों पर कुछ संदिग्ध लोगों को बड़े बैग ले जाते देखा था। सीसीटीवी फुटेज की जांच में भी चौंकाने वाले सुराग मिले हैं।

खेल समाचार

सुंदर सिंह गुर्जर : देश को लगातार दो पैरालंपिक में पदक दिलाने वाले जैवलिन थ्रोअर

नई दिल्ली , (आरएनएस)। भारत में पिछले एक दशक में जिन खेलों की लोकप्रियता सबसे ज्यादा बढ़ी है और जिस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम किया है, उसमें जैवलिन प्रमुख है। ओलंपिक के साथ पैरालंपिक में भी जैवलिन में भारतीय खिलाड़ी बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन कर रहे हैं। पैरा एथलेटिक्स में सुंदर सिंह गुर्जर का नाम जैवलिन के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय है। सुंदर सिंह ने लगातार दो पैरालंपिक में जैवलिन में देश के लिए पदक जीते हैं। सुंदर सिंह गुर्जर का जन्म 1 जनवरी 1996 को करौली, राजस्थान में हुआ था। सुंदर सिंह की बचपन से ही पढ़ाई में कम और खेलकूद में ज्यादा रुचि रही। उनके पिता और भाई कुश्ती खेलते थे, लेकिन कोच की सलाह पर सुंदर ने 2012 में जैवलिन थ्रो शुरू किया। शुरुआत में वह सामान्य श्रेणी में खेलते थे, लेकिन 2015 में दोस्त के घर छत पर लोहे की चादर लगाते समय उनका हाथ कट गया और उनका बायां हाथ कटकर अलग हो गया। इस घटना ने सुंदर को मानसिक तौर पर तोड़ दिया था और उन्होंने जैवलिन छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन उनके कोच महावीर प्रसाद सैनी ने उन्हें हिम्मत न हारने और पैरा एथलेटिक्स की तरफ मुड़ने के लिए प्रेरित किया।गुरु की सलाह ने सुंदर सिंह की जिंदगी को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने पैरा एथलेटिक्स में जैवलिन में देश के लिए पदक जीतने का सपना देखा। वे एफ46 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हैं। सुंदर सिंह गुर्जर ने 2016 में रियो पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन वहां कॉल रूम में 52 सेकंड देर से पहुंचने की वजह से डिस्क्वालीफाई हो गए।सुंदर सिंह गुर्जर की सफलता की स्वर्णिम कहानी 2017 में तब शुरू हुई, जब उन्होंने इसी साल लंदन में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद 2019 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दुबई में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। 2018 एशियन पैरा गेम्स में रजत और 2023 हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में सुंदर ने 68.60 मीटर थ्रो करके विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता।सुंदर सिंह ने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में 64.01 मीटर थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता और फिर इसके बाद पेरिस में आयोजित 2024 पैरालंपिक में 64.96 मीटर के साथ कांस्य जीता। हाल ही में 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी उन्होंने रजत पदक जीता। जैवलिन के क्षेत्र में सुंदर सिंह गुर्जर की असाधारण सफलता को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया है। वह राजस्थान वन विभाग में सहायक कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट हैं।

सूर्यकुमार ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की

तिरुमला (ए)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान का आर्शिवाद लिया। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की और पवित्र वैकुंठ द्वारम से होकर दर्शन किए। इसे अत्यंत पावन माना जाता है। सूर्या पिछले कुछ समय से अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और माना जा रहा है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले इसी कारण भागवान की शरण में पहुंचे होंगे। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीडीपी) प्रशासन ने सूर्यकुमार और उनकी पत्नी के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था भी की। सुबह के समय दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने उन्हें रंगनायकुलावरी मंडपम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया।

ICC रैंकिंग 2025

जो रूट की बादशाहत को खतरा, साथी खिलाड़ी ने ही दी चुनौती; शुभमन गिल की टॉप-10 में वापसी

दुबई (आरएनएस)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने साल 2025 की आखिरी टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। 26 दिसंबर तक अपडेट की गई इस रैंकिंग में इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट का दबदबा तो कायम है, लेकिन अब उनकी कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है। रूट के ही साथी खिलाड़ी हैरी ब्रूक ने लंबी छलांग लगाकर नंबर-1 के ताज के लिए कड़ी चुनौती पेश कर दी है।ताजा रैंकिंग में जो रूट अभी भी पहले नंबर पर बने हुए हैं, लेकिन उनकी रेटिंग में थोड़ी गिरावट आई है और वे अब 867 रेटिंग पॉइंट्स पर हैं। वहीं, इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए एक साथ तीन स्थानों की छलांग लगाई है। ब्रूक अब 846 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रूट और ब्रूक के बीच अब ज्यादा अंतर नहीं रह गया है, ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि नए साल की शुरुआत में जो रूट अपनी नंबर-1 की कुर्सी गंवा सकते हैं।हैरी ब्रूक के ऊपर चढ़ने के कारण न्यूजीलैंड के दिग्गज केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। वे अब 822 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड भी एक पायदान नीचे गिरकर 816 रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, स्टीव स्मिथ को दो स्थानों का घाटा हुआ है और वे 811 की रेटिंग के साथ अब 5वें नंबर पर आ गए हैं।

श्रेयस अय्यर की फिलहाल वापसी की उम्मीद नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहेंगे

मुम्बई (ए.)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद से ही बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के अभी वापसी करने की कोई उम्मीद नहीं है। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। इसी कारण उनकी मैदान पर वापसी में देरी हो रही है। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से भी उन्हें खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं पहले कहा गया था कि श्रेयस 30 दिसंबर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर आ जाएंगे पर अब उन्हें कम से कम एक सप्ताह और वहीं रहना होगा। इसका कारण है कि श्रेयस का वजन करीब 6 किलो वजन घट गया था। उनकी मांसपेशियों में भी कमजोरी आई है। इससे उनकी ताकत अभी भी सही स्तर पर नहीं पहुंची है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं है पर ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के बाद से ही उनका वजन करीब छह किलो वजन घट गया है। इसलिए मेडिकल टीम अभी तक उन्हें फिट नहीं मानती है।'

पहले कहा जा रहा था कि श्रेयस के 3 और 6 जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच खेलने की उम्मीद है और फिर 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उनकी वापसी की बात कही गयी पर अब , योजना बदल गई है उम्मीद है कि उन्हें 9 जनवरी तक ही खेलने की मंजूरी मिलेगी।

प्रीमियर लीग: वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के लगातार 11 हार का सिलसिला थमा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ मुकाबला ड्रा

मैनचेस्टर (ए.)। वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स की लगातार 11 हार का सिलसिला थम गया है। मंगलवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ वॉल्वरहैम्प्टन का मुकाबला ड्रा रहा था।

मजबूत मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ खेलते हुए वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स ने बेहतरीन खेल दिखाया और मैच को 1-1 से ड्रा कराया। मैच का पहला गोल मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से जोशुआ जिर्कजी ने किया। जिर्कजी ने 27वें मिनट में गोल किया था। इस गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की जीत की संभावना बढ़ा दी थी, लेकिन मैच के 45वें मिनट में लादिस्लाव क्रेजी वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के लिए करिश्माई गोल किया और मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोई भी गोल दोनों टीमों की तरफ से नहीं हो सका और मैच बराबरी पर समाप्त हुआ। ड्रा वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के लिए जीत के समान था, क्योंकि ये 11 हार के बाद आया था। ड्रा के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अंकतालिका में छठे स्थान पर रहते हुए 2025 की समाप्ति की। मैनचेस्टर चौथे स्थान पर मौजूद लिवरपूल के बराबर अंक पाने का मौका चूक गयी।

भारत बनाम श्रीलंका: टी20 फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास, इस मामले में बनीं 'नंबर-1'

तिरुवनंतपुरम (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर टी20 फॉर्मेट में सर्वाधिक 'प्लेयर ऑफ द मैच' खिताब जीतने के मामले में शीर्ष भारतीय बन गई हैं। उन्होंने मिताली राज की बराबरी कर ली। दोनों ही खिलाड़ियों ने अब तक 12-12 बार यह कारनामा किया है। भारतीय महिला खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शेफाली वर्मा (8) और स्मृति मंधाना (8) संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर मौजूद हैं।हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के विरुद्ध ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए पांचवें टी20 मैच में 43 गेंदों का सामना करते हुए 68 रन बनाए। इस दौरान उनकी पारी में 1 छक्का और 9 चौके शामिल रहे। हरमनप्रीत कौर ने उस समय अमनजोत कौर के साथ 61 रन की साझेदारी की, जब भारतीय टीम 77 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी।दूसरी ओर, इस सीरीज के 5 मुकाबलों में 80.33 की औसत के साथ सर्वाधिक 241 रन बनाने वालीं शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। ऐसा तीसरा बार था, जब 21 वर्षीय खिलाड़ी को इस खिताब से नवाजा गया। इसी के साथ शेफाली सर्वाधिक 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' खिताब जीतने के मामले में संयुक्त रूप से नंबर-1 भारतीय बन गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन अस्पताल में भर्ती, मेनिनजाइटिस से जूझ रहे

नई दिल्ली (ए.) ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह मेनिनजाइटिस (दिमागी बुखार) से जूझ रहे हैं। 54 साल के मार्टिन बॉक्सिंग डे पर बीमार पड़ गए थे। मार्टिन अभी इंड्यूस्ड कोमा में हैं। डेमियन मार्टिन के करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने उनकी बीमारी की पुष्टि की है। मार्टिन की स्थिति चिंताजनक है और उनके साथ खिलाड़ी उनके स्वस्थ होने के लिए दुआ कर रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने न्यूज कॉर्प से कहा कि उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है। अमांडा और उनके परिवार को पता है कि बहुत से लोग उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।पूर्व बल्लेबाज डैरेन लेहमैन ने एक्स पर लिखा, डेमियन मार्टिन के लिए ढेर सारा प्यार और दुआएं। मजबूत और फाइटिंग लेजेंड बने रहो। परिवार को प्यार। डेमियन मार्टिन की गिनती ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले बेहतरीन बल्लेबाजों में होती है। वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते थे और अपने बेहतरीन स्ट्रोकप्ले के लिए जाने जाते थे। वनडे विश्व कप 2003 के फाइनल में भारत के खिलाफ उनकी नाबाद 88 रन की पारी उनके करियर की यादगार पारियों में एक है।

आज से लग रहा नया साल, युवा करेंगे धमाल, पिकनिक स्थलों पर रहेगा हुजूम

पचमढ़ी, नर्मदा तट और पहाडिया पर मनेगी पार्टी, बांद्राभान भी पहुंचेंगे लोग

रश्मि गौड़,

डोलरिया। नर्मदापुरम। नव वर्ष के स्वागत को लेकर युवाओं की टीम आतुर है। गुरूवार से नए वर्ष की शुरूआत हो रही है। तेज ठंड के बावजूद नर्मदा की शांत लहरों और आदमगढ़ की पहाडियों पर आज बड़ी संख्या में शहर के लोग नए वर्ष की पार्टी मनाने के लिए पहुंचेगे। कुछ लोग बांद्राभान के संगम स्थल पर पहुंच कर भी नया वर्ष मनाएंगे। इसके अलावा पर्यटन स्थल पचमढ़ी, तिलक सेंदुर, भीलट देव, आंवरी घाट, तवानगर के अलावा कई लोग सलकनपुर सहित अन्य स्थानों पर नव वर्ष मनाने के लिए पहुंचते हैं। हर वर्ष की तरह नर्मदापुरम शहर के पिकनिक स्पाट पर युवाओं का हुजूम लगेगा। युवाओं की टोली अपने मित्रों के साथ शहर के पर्यटन घाट, सेठानी घाट, विवेकानंद घाट के आलावा नेहरू पार्क और पहाडिया पर पहुंचेंगे नए वर्ष को लेकर शहर के अनेक प्रमुख स्थानों पर सुबह होने के साथ ही शहर के विभिन्न स्थानों पर युवाओं की भीड़ उमड़ेगी। नर्मदा तट का शहर होने के नाते कई लोग वर्ष के पहले दिन नर्मदा में डुबकी लगाकर नए वर्ष का स्वागत करते हैं। इस कारण भी सुबह के समय तेज ठंड के बावजूद डुबकी लगाने वालों की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा रहेगी।

ठंड का रहेगा तेज असर

नए वर्ष के एक दिन पूर्व से ही तेज ठंड का असर बना हुआ है। क्योंकि शहर के सभी पिकनिक स्पाट पर सीधी हवाओं का जोर रहता है। चाहे पहाड़िया हो, खर्राघाट, और नेहरू पार्क हो या बांद्राभान सभी ठंडे स्थान हैं। इन्हीं स्थनों पर ही शहर के युवाओं की टोलियां मुख्य रूप से मनोरंजन करने के लिए पहुंचती हैं। कई लोग सपरिवार पहुंच कर नया वर्ष मनाते हैं। वहीं शहर के अनेक लोग हिंगलाज देवी मंदिर परिसर पहुंचना भी पसंद करते हैं। इसी के पास नीचे खर्राघाट और दत्त मंदिर क्षेत्र होने से यहां पर भी कई लोग इन प्राकृतिक स्थानों पर पहुंच कर पार्टी करते हैं। इन दिनों बच्चों का शीतकालीन अवकाश चल रहा है। इस कारण बच्चों के साथ ही कई लोग नए वर्ष मनाने पहुंचते हैं। शहर के कई लोग परिवार के साथ सलकनपुर देवी धाम पहुंच कर भी नए वर्ष की शुरूआत करेंगे।

अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत 31 हज़ार 590 वरिष्ठजन होंगे लाभान्वित

नर्मदापुरम (निप्र)। उप संचालक राष्ट्रीय अंधत्व एवं दृष्टि बाधिता नियंत्रण कार्यक्रम (एनएचएम मध्यप्रदेश) ने बताया कि भारत सरकार की अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के सभी जिला चिकित्सालयों में वरिष्ठजनों के मोतियाबिंद ऑपरेशन उपरांत उनके आवागमन के लिए प्रति हितग्राही 200 रुपए की दर से राशि आवंटित की गई है। यह राशि ई-वित्त प्रवाह के माध्यम से जिलों को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के मद में प्रदाय की गई है। योजना से दिसम्बर माह में प्राप्त विवरण के आधार पर 31 हजार 590 वरिष्ठजनों को लाभ मिलेगा। इसके लिए कुल 63 लाख 18 हज़ार रुपये की राशि आवंटित की गई है।यह राशि केवल वरिष्ठ नेत्र रोगियों के लिए उपयोग की जाएगी। योजना का उद्देश्य वरिष्ठजनों को नि:शुल्क मोतियाबिंद उपचार के साथ-साथ परिवहन सुविधा प्रदान कर स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करना है। योजना के अंतर्गत मोतियाबिंद ऑपरेशन कराने वाले वरिष्ठजनों का विवरण एनपीसीबी एंड वीआई के एमआईएस पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा और ऑपरेशन के 15 दिवस के भीतर परिवहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की जाएगी।

कड़कड़ाती ठंड में नपा द्वारा जलाए अलाव बने सहारा

अनेक स्थानों पर जलाए जा रहे अलाव

नर्मदापुरम(निप्र)। नगरपालिका द्वारा नगर के नागरिकों और श्रद्धालुओं के लिए जलाए गए अलाव इस कड़कड़ाती ठंड में सहारा बने हुए हैं। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में आ रहे परिक्रमावासी और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नपा के कर्मचारी लगातार जगह जगह अलाव जला रहे हैं। परिक्रमावसियों के लिए सेठानीघाट और बस स्टेंड पर सर्वसुविधायुक्त रैन बसेरों में भी समुचित व्यवस्था की गई है। प्रभारी अधिकारी उपयंत्री रीना गुप्ता ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर में विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। जिनमें प्रमुख रूप से सेठानीघाट, कोरीघाट, विवेकानंद घाट, बस स्टेंड, सतरस्ता, अस्पताल में दो स्थानों पर अलाव जलाए रहे हैं। नपा के सुनील राठौर ने बताया कि अलाव वाले स्थानों पर नपाध्यक्ष और सीएमओ के निर्देश पर प्रतिदिन लकड़ियों की व्यवस्था की जा रही है। नपाध्यक्ष और सीएमओ ने नगर में आने वाले समस्त परिक्रमावासियों और श्रद्धालुगणों से आग्रह किया है कि आपके लिए सेठानीघाट और बस स्टेंड पर सर्वसुविधायुक्त रेन बसेरों में रुकने की नि:शुल्क व्यवस्था हैए उसमें रुके। स्थानीय चौक चौराहों जहां भीड़ अधिक रहती है उन स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं।

मार्ग अवरुद्ध करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी

सड़कों से हटाए जा रहे फल एवं सब्जी के ठेले

नर्मदापुरम् (निप्र)। नगर की सड़कों को अवरूद्ध कर व्यवसाय कर रहे लोगों पर प्रतिदिन कार्रवाई की जा रही है। फल एवं सब्जी के ठेले वालों को प्रतिदिन उनके निर्धारित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। नगर में लगे अवैध होर्डिंग भी हटाए जा रहे हैं। अतिक्रमण दल सहप्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर अतिक्रमण दस्ता द्वारा प्रतिदिन कार्रवाई की जा रही है। नगर में चहुंओर अतिक्रमण दल द्वारा कार्रवाई कर फल एवं सब्जी के ठेले वालों को निर्धारित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। साथ ही हिदायत दी जा रही है कि नगर की सड़कों को अवरूद्ध कर व्यवसाय न करें। श्री राजपूत ने बताया कि इसके साथ ही एनएमवी कालेज के सामने लगे अवैध होर्डिंग को भी हटाया गया है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगर के फल सब्जी विक्रेताओं से अपील की है कि वे नगर की सड़कों को किसी भी प्रकार से अवरूद्ध न करें। अपना व्यवसाय निर्धारित स्थान पर ही करें। अन्यथा नपा के अतिक्रमण दस्ता द्वारा जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

संयुक्त कलेक्टर श्री बृजेन्द्र रावत ने किया लोक सेवा केंद्र सिवनी मालवा का निरीक्षण

नर्मदापुरम् (निप्र)। बुधवार को संयुक्त कलेक्टर बृजेन्द्र रावत द्वारा लोक सेवा केंद्र सिवनी मालवा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला प्रबंधक लोक सेवा आनंद झेरवार, द्वारा लोक सेवा केंद्र में प्राप्त आवेदनों, RCMS के आवेदनों की समीक्षा संयुक्त कलेक्टर के समक्ष करवाई गई। सेवा वार प्राप्त आवेदनों को संबंधित कार्यालयों में प्रदाय हेतु सेवावार रजिस्टरों की जांच की गई। प्रत्येक आवेदन की पावती अनिवार्य रूप से आवेदक को प्रदान करने के निर्देश दिए गए। आधार पंजीयन हेतु निर्धारित शुल्क एवं आवश्यक दस्तावेजों की सूची तथा आवेदनों के साथ संलग्न दस्तावेजों की जानकारी प्रदर्शित पाई गई। निरीक्षण में निर्देश दिए गए कि सभी ऑनलाइन भरे गये आवेदनों पर आवेदक के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से लिए जावे। टीवी को निरंतर चालू रहे एवं केंद्र में सेवा प्रदाय के लिए और प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। लोक सेवा केंद्र एवं शौचालय की साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

4000 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक में बिक रही बासमती धान

महानगरों में बड़े व्यापारियों में बनी हुई है बासमती धान की मांग

नर्मदापुरम/ इटारसी (निप्र)। महानगरों में ज्यादा मांग होने पर बासमती धान के दाम तेज मिल रहे हैं। राइस मिलों में चावल की डिमांड बढ़ने के बाद बासमती के रेट बढ़ने से किसानों को फायदा हो रहा हैं। दाम बढ़ने से किसानों को एक क्विंटल पर 500 रुपए का फायदा हुआ है। पूर्व में कई किसानों ने कम दाम में धान बेच गए हैं। अब वे पछता रहे हैं। कीमत बढ़ने के बाद जिले की मंडियों में धान की आवक भी बढ़ गई है। एक सप्ताह से भाव में तेजी है। बासमती के रेट 3500 से 4200 रुपये प्रति क्विंटल रहे। बुधवार को जिले की अनेक मंडियों में अच्छी क्वालिटी की बासमती धान 4140 रुपए क्विंटल तक बिकी है।

100 ट्राली धान बिकी

बुधवार को बासमती धान की बंपर आवक हुई। बासमती धान की कीमत में 400 से 500 रुपए तक का उछाल आया। मंडी में अच्छी क्वालिटी की धान 4000 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक चुकी है। ऊपर बढ़ती मांग को देखते हुए व्यापारी भी धान की खरीदी में लगे हुए हैं।

इनका कहना है-

बोवनी होने के बाद किसान फिर से अपनी बची हुई बासमती धान लेकर आ रहे हैं। सभी मंडियों में एक बार फिर धान की आवक तेज हो गई है। दाम भी पहले से ज्यादा मिल रहे हैं। इसलिए भी किसान धान लेकर आ रहे हैं।

आरएन इवने, सचिव कृषि उपज मंडी नर्मदापुरम

इनका कहना है-

बासमती धान की बड़े शहरों में ऊपर वरिष्ठ व्यापारियों के द्वारा मांग की जा रही है। इसलिए जो धान आ रही है उसे ज्यादा दाम मिल रहे हैं। इस मौसम में धान के रेट शुरू से तेज हैं। अच्छी किस्म की सी थर्टी धान के दाम 4500 रुपये तक जा चुके हैं। 1718 किस्म की धान के दाम शुक्रवार को 4240 रुपये तक बिकी है। वहीं अन्य बासमती धान की किस्म 4300-4400 रुपये तक में खरीदी गई है।

अजय खन्ना, वरिष्ठ व्यापारी नर्मदापुरम

राज्य स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस कैंप गुना में शांतिनिकेतन का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नर्मदापुरम। (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य शाखा भोपाल द्वारा 12 दिसंबर से 16 दिसंबर 2025 तक क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय परिसर गुना में राज्य स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस सह सदभावना शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला नर्मदापुरम की अध्यक्ष एवं कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम के आदेश अनुसार शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का 16 सदस्यीय जूनियर रेड क्रॉस दल जिला संगठक रेड क्रॉस विनोद मालवीय की लीडरशिप में सम्मिलित हुआ। जूनियर रेड क्रॉस गुना मध्यप्रदेश में 33 जिलों की जूनियर रेड क्रॉस टीम सम्मिलित हुई। शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में नर्मदापुरम जिले की जूनियर रेड क्रॉस टीम शांतिनिकेतन ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक शील्ड एवं मैडल जीते।

विस्तृत जानकारी देते हुए जिला काउंसलर अशोक सोनी ने बताया कि शिविर में जूनियर रेड क्रॉस शांतिनिकेतन के 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया यह सभी जिला रेड क्रॉस सोसाइटी नर्मदापुरम से जुड़े हैं। विद्यार्थियों ने संगीत नृत्य सामूहिक लोकगीत लोक नृत्य फैंसी ड्रेस निबंध लेखन और वादन जैसी विधाओं में भाग लिया। इनमें से पांच विधाओं में प्रथम पुरस्कार मिला एवं शेष में द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। यह प्रदर्शन प्रदेश के 33 जिलों में सर्वश्रेष्ठ रहा। कलेक्टर एवं जिला रेड क्रॉस सोसाइटी की अध्यक्ष सोनिया मीना ने विद्यार्थियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। शिविर में काउंसलर अशोक सोनी नीति गुप्ता जूनियर रेड क्रॉस स्टेट ऑब्जर्वर विनोद मालवीय एवं विद्यार्थी आस्था साहू पलक रैकवार अनन्या तिवारी अनन्या सराठे ख्याति गुप्ता मौली श्रोति शैली यादव विवान नायक रित्विक दुबे वैभव मालवीय अनुज व्यास राजवीर राजपूत शामिल हुए। इस अवसर पर शाला प्राचार्य डॉ केएम जॉर्ज ने जूनियर रेड क्रॉस दल शांतिनिकेतन की इस सफलता पर सभी विद्यार्थियों को शांतिनिकेतन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

तिरुवनंतपुरम में महिला सशक्तिकरण संसदीय समिति की बैठक में

नर्मदापुरम (निप्र)। महिला सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर मंथन के लिए तिरुवनंतपुरम में संसदीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने सक्रिय सहभागिता की। समिति की अध्यक्षता कमेटी अध्यक्ष डॉ. डी. पुरंदेश्वरी ने की।बैठक के दौरान विभिन्न केंद्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) के प्रभावी कार्यान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस क्रम में वीएसएससी, एससीटीआईएमएसटी, सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), केंद्रीय महिला आयोग (सीडब्ल्यूसी), स्पाइस बोर्ड ऑफ इंडिया और आईसीएआर-सीटीसीआरआई के अधिकारियों ने समिति को प्रस्तुतीकरण दिया। अलावा, एनटीपीसी, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन, आरईसी, पीएफसी तथा सीपीआरआई के साथ भी पॉश अधिनियम, 2013 के अनुपालन और कार्यस्थलों पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने को लेकर महत्वपूर्ण संवाद हुआ।

अंजन नदी पर किया बोरी बंधान

बनखेड़ी(निप्र)। जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में विकासखंड बनखेड़ी के सेक्टर क्रमांक 5 में संस्था बनखेड़ी मां नर्मदा ग्राम विकास समिति एवं ग्राम विकास प्ररफुटन समिति वाचावानी के संयुक्त तत्वाधान में आजन नदी पर बोरी बंधान कर सेक्टर बैठक की संगोष्ठी कर जल संरक्षण का संदेश ग्राम वासियों को दिया ब्लॉक समन्वयक श्रीमती सुखवति वर्मा ने बताया कि जल संरक्षण से न केवल भूमिगत जल वृद्धि होती है

बल्कि फसलों एवं सब्जी जानवरों जल जीवो को जीवन दान मिलता है संस्था मां नर्मदा ग्राम विकास समिति अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद मेहर ने बताया कि खेत का पानी खेत में गांव का पानी गांव में रहे हैंडपंपों के पास सोख्ता टैंक बनाकर जल संरक्षण कर रहे हैं एव गांव-गांव में बोरी बंधान कर जल संरक्षण किया जा रहा है ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष संतोष पटेल ने बताया कि जिला का सबसे बड़ा तालाब गणेश धाम बाचावानी में है विगत वर्षों से जल संरक्षण पर काम किया जा रहा है रमेश पटेल ने बताया कि जल संरक्षण पर हम सभी ग्रामवासी तालाब को मॉडल बनाने में लगे हुए हैं आने वाले तिल गणेश त्योहार पर ग्राम को स्वच्छता की मिसाल पेश की जाएगी जिसमें पूरे ग्राम को प्रतिवर्ष गोबर से लिप कर सजाया जाता है यहां पर प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक समन्वयक श्रीमती सुखवति वर्मा सेक्टर प्रभारी लक्ष्मी मेहर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष संतोष पटेल हेमराज पटेल रमेश पटेल भवानी प्रसाद पटेल लेखराम सोनी मेंटर रितेश कुशवाहा जयपाल यादव सहित ग्रामीणों ने श्रमदान कर बोरी बंधान किया

मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं, जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाएं : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण-2026: दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया 22 जनवरी 2026 तक

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR-2026) के अंतर्गत मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया जारी है। इस क्रम में नर्मदापुरम जिले में भी निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को समस्त मतदान केंद्रों सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया था। उक्त परिप्रेक्ष्य मैं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना ने समस्त पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे एक जिम्मेदार मतदाता के रूप में अपने नाम की जांच कर समय-सीमा में आवश्यक दावे-आपत्तियां प्रस्तुत करें, जिससे कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

प्रारूप निर्वाचक नामावली voters.eci.gov.in, ceo-election.mp.gov.in एवं ECINet App पर उपलब्ध है। मतदाताओं को सर्वप्रथम अपना नाम प्रारूप सूची में अवश्य जांचना चाहिए। दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। उक्त अवधि में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा बीएलओ से संपर्क कर दावा आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं।इस अवधि में प्रत्येक कार्यदिवस पर सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) उपस्थित रहेंगे। उनके माध्यम से नाम जोड़ने, हटाने/आपत्ति दर्ज करने तथा संशोधन से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र (Anne&ure-IV) प्रस्तुत करना अनिवार्य है। वहीं, यदि कोई मतदाता राज्य से बाहर से स्थानांतरित होकर आया है, तो उसे फॉर्म-8 के साथ भी घोषणा-पत्र देना होगा। ऑफलाइन आवेदन करने पर मतदाताओं को BLO से पावती प्राप्त करना न भूलने की सलाह दी गई है। दावे-आपत्तियों के निराकरण तथा गणना पत्रक के आधार पर तैयार प्रारूप निर्वाचक नामावली की पात्रता प्रविष्टियों की जांच के उपरांत, कतिपय निर्वाचकों को नोटिस जारी कर सुनवाई 23 दिसंबर 2025 से 14 फरवरी 2026 तक की जाएगी। नोटिस की तामीली के बाद संबंधित मतदाता को निर्धारित दिनांक, समय एवं स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियों सहित उपस्थित होना अनिवार्य होगा।फॉर्म-6, फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 मतदाता वेबसाइट से डाउनलोड, BLO से, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा जिला निर्वाचन कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा : समय पर उपचार से जीवन रक्षा की प्रभावी पहलअब तक 118 नागरिक हो चुके हैं लाभान्वित

नर्मदापुरम(निप्र)। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा मध्य प्रदेश सरकार की संवेदनशील और दूरदर्शी स्वास्थ्य नीति का सशक्त उदाहरण है। गंभीर रूप से बीमार और आपातकालीन मरीजों को समय पर उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष रूप से उन परिस्थितियों में जहाँ हर मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को यह सुविधा नि:शुल्क प्रदान कर सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आर्थिक स्थिति उपचार में बाधा न बने। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा राज्य की एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह सेवा इस बात का सशक्त उदाहरण है कि आपात परिस्थितियों में समय पर उपलब्ध उन्नत चिकित्सा परिवहन कितने अनमोल जीवन बचा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com